वर्ष : 27 | अंक : 28 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 18 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

महाकुंभ 2025

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

7.3 करोड़ श्रद्धालुओं लगाई डुबकी

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ-2025 में श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह तक तक 7.3 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आए। आंकड़ों के अनुसार, महाकुंभ मेले के छठे दिन 10 लाख से अधिक कल्पवासियों और 9.84 लाख तीर्थयात्रियों ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ मेल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी श्रद्धालुओं को बेहद खास लग रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अब तक 7.3 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आ चुके हैं। महाकुंभ-2025 में आज दोहपर 12 बजे तक 15.1 लाख श्रद्धालु मेला स्थल पर पहुंचे और पवित्र स्नान किया।

6 किलोग्राम से अधिक के आभूषण पहने

इस बीच भक्ति के एक अलग प्रदर्शन में निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर नारायण गिरि महाराज जिन्हें 'गोल्डन बाबा' के नाम से जाना जाता है, 6 किलोग्राम से अधिक वजन के आभूषण पहने हुए देखे गए। केरल के एक प्रमुख हिंदू आध्यात्मिक नेता स्वामी नारायण नंद गिरि महाराज ने बताया कि ये आभूषण विभिन्न हिंदू देवताओं को समर्पित हैं, जिनमें नटराज, नरिष्मा, मुरुगन, भद्रकाली और अन्य शामिल हैं। इस आभूषण के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर, स्वामी नारायण ने कहा कि यह उन्हें 'सकारात्मक ऊर्जा' देता है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गंगा पंडाल में संस्कृति का महासंगम

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाकुंभ-2025 के अंतर्गत गंगा पंडाल में शुक्रवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या भारतीय कला, संगीत और परंपरा का जीवंत प्रदर्शन बनी। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गंगा पंडाल में सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत ख्यात शास्त्रीय गायक महेश काले के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सैफ न बचाते तो कुछ भी हो जाता

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए अटैक की मुंबई पुलिस जांच कर रही है। नैनी के बाद अब सैफ की पत्नी व अभिनेत्री करीना कपूर ने अपना बयान दर्ज कराया है। करीना ने बांद्रा पुलिस को बताया कि सैफ ने अकेले ही उस हमलावर का सामना किया। उन्होंने घर की सभी महिलाओं को बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर भेज दिया था। वो बीच में नहीं आते तो कुछ भी हो सकता था।

करीना ने पुलिस को दिया बयान

पुलिस को करीना ने बयान दिया है कि जब हमला हुआ तो सैफ ने बच्चों और महिलाओं को 12वीं मंजिल पर भेज दिया था। सैफ ने महिलाओं और बच्चों को बचाने की कोशिश की। सैफ बीच में आए तो हमलावर जहांगीर (सैफ-करीना का छोटा बेटा) तक नहीं पहुंच पाया। करीना ने ये भी बताया कि हमलावर ने घर से कोई चीज नहीं चुराई, लेकिन वो बेहद आक्रामक था। उसने कई बार सैफ पर हमला किया, मैं हमले के बाद घबरा गई थी इसलिए करिश्मा मुझे अपने घर ले गई थी।

बीकॉम के छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के मंडी श्याम नगर के पास बीकॉम के छात्र ने आज सुबह को ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक छात्र गलगोटिया विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रहा था। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अमनदीप मिश्रा पुत्र विजय प्रकाश मिश्रा (25 वर्ष) मूलनिवासी जनपद सुलतानपुर जो कि गलगोटिया विश्वविद्यालय से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था, उसने आज सुबह को मंडी श्याम नगर के सामने चलती ट्रेन के आगे छलांग लगा दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पिता से बात करने पर पता चला कि उन्होंने किसी बात को लेकर उसे डांट दिया था। इस बात से वह नाराज था।

दोस्तों ने नशे में युवक को छत से फेंका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के बिसरख गांव में शराब के नशे में दो लोगों ने अपने साथी के साथ मारपीट कर उसे छत से नीचे फेंक दिया। छत से नीचे गिरने के कारण युवक को गंभीर चोट आई है। घायल युवक के भाई ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम बिसरख निवासी सागर भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 15 जनवरी की दोपहर को गांव के ही रहने वाले राजेश व पंकज ने उसके भाई संदीप भाटी के साथ बैठकर शराब पी। शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर इनका आपस में विवाद हो गया। पंकज, राजेश ने उसके भाई के साथ गाली गलौज की। उसके भाई ने जब इस बात का विरोध किया था दोनों आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान दोनों आरोपी ने सागर को छत से नीचे फेंक दिया। छत से नीचे गिरने के कारण उसका भाई संदीप भाटी घायल हो गया। जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। संदीप भाटी की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। अस्पताल में संदीप भाटी का इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के चुनाव निष्पक्ष तथा पारदर्शी से कराने की तैयारी

चुनाव अधिकारियों ने लगे आरोपों को बताया बेबुनियाद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से कल 19 जनवरी को कराए जाएंगे। एक धड़े द्वारा लगाये गये सभी आरोप निराधार तथा तथ्य से परे हैं। यह घोषणा की चुनाव अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल टी.एन. श्रीवास्तव तथा सेवानिवृत्त पीसीएस अधिकारी वेद प्रकाश मिश्रा ने। वे सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए कार्यालय में पत्रकारों के समक्ष अपना पक्ष रख रहे थे।

दोनों ही चुनाव अधिकारियों ने बताया कि इस चुनाव में के.के. जैन पैनल तथा एस.पी. चमोली पैनल 5-5 पदों पर चुनाव लड़ रहे हैं। सभी ने नामांकन जमा करा दिये हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

अवैध संबंध न बनाने पर अश्लील फोटो की वायरल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक महिला ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सोशल साइट पर उसकी अश्लील फोटो वायरल कर उसे बदनाम करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी गलत संबंध ना बनाने पर उसे व परिवार वालों को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।

सेक्टर-100 के एक अपार्टमेंट में रहनेवाली शीतल (काल्पनिक नाम) ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से एक अनजान व्यक्ति ने फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अन्य सोशल साइटों पर उसके नाम से फर्जी आईडी बनाई हुई है। इस आईडी पर अज्ञात युवक उसकी भद्दी भद्दी फोटो अपलोड कर रहा है। इसके अलावा उक्त व्यक्ति उसे फोन कर गलत संबंध बनाने का दबाव डाल रहा है। उसके इंकार करने पर आरोपी ने उसे व परिजनों को जान से मारने की धमकी दी है। पीड़िता का आरोप है कि युवक की करतूत से उसका जीना मुहाल हो गया है। उसे परिवार व समाज में बदनामी उठानी पड़ रही है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता द्वारा उपलब्ध कराए गए फोन नंबर व फर्जी आईडी के जरिए आरोपी का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

क्रेन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में हाइड्रा क्रेन की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित के भाई ने आरोपी क्रेन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जनपद हाथरस निवासी नारायण राघव ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई गोपाल सूरजपुर के औद्योगिक क्षेत्र की साइड सी में स्थित आर एफ इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड में ऑपरेटर की नौकरी करता था। 16 जनवरी की सुबह वह किसी काम से पैदल जा रहा था। इस दौरान तेज गति में आ रहे क्रेन चालक बॉबी कुमार ने उसके भाई को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में गोपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे उपचार के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद क्रेन चालक फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोसायटी गार्ड से दबंगों ने की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के सेक्टर ओमिक्रोन-3 में कार सवार लोगों ने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घायल सिक्योरिटी गार्ड को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिकंदराबाद के ग्राम निठारी निवासी जसवीर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई सतीश मिगसन सोसाइटी में गार्ड की नौकरी करता है। 17 जनवरी की सुबह वह अपनी ड्यूटी खत्म कर अपने दोस्त कपिल के साथ आ रहा था। ओमिक्रोन-3 सेक्टर के पास पीछे से कार में आए ऋषभ सैनी,शुभम रावल व अन्य लोगों ने सतीश व उसके साथी को रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। इस बात का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से उनके साथ मारपीट की। मारपीट में सतीश व कपिल को चोटें आई, जिसके बाद आरोपी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सतीश ने फोन कर अपने साथ हुई घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

बहु को फांसी लगाकर मार डाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर में एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री की ससुराल वालों द्वारा फांसी लगाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज

ससुरालियों पर लगाया दहेज हत्या का आरोप

कराया है। पीड़ित का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उसकी बेटी की फांसी लगाकर हत्या कर दी।

स्वरूप नगर बादली दिल्ली में रहने वाले खेम सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी बेटी शीतल की **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

देश के 12 श्रेष्ठ स्वच्छ शहरों में शुमार नोएडा

सुपर स्वच्छ लीग में शामिल होने वाला उप्र का इकलौता शहर बना नोएडा

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम की कार्यकुशलता तथा विकासपरक सोच का परिणाम प्रत्यक्ष रूप से सामने आता जा रहा है। इसी का नतीजा है कि देश के 12 श्रेष्ठ स्वच्छ शहरों की सूची में नोएडा को शामिल किया गया है। इस फेहरिस्त में जगह पाने वाला नोएडा उत्तर प्रदेश का इकलौता शहर है।

मालूम हो कि नोएडा के आवासन और शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर सुपर स्वच्छ लीग 2024 में नोएडा को चयनित किया गया है। सुपर स्वच्छ लीग में स्मॉल सिटी, वैरी स्मॉल सिटी , मीडियम सिटी, बिग सिटी और मिलियन प्लस सिटी की श्रेणी है। इसमें नोएडा मीडियम सिटी की श्रेणी में आता है। ये श्रेणी आबादी की हिसाब से डिसाइड की जाती है। बता दे स्वच्छता सर्वेक्षण में पहली बार नोएडा को 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में दूसरे स्थान मिला था । जबकि पिछली बार इसी श्रेणी में नोएडा को पांचवां स्थान मिला था।

वहीं प्रदेश में लगातार दूसरे साल भी नोएडा पहले स्थान पर रहा। इसके अलावा नोएडा को पहली बार वाटर प्लस श्रेणी में सर्टिफिकेट मिला। इसके अलावा इस बार भी गार्बेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैकिंग मिली है। इसी को देखते हुए नोएडा ने सुपर स्वच्छ लीग 2024 में गोल्डन सिटी के रुप में सिलेक्ट किया गया।

नोएडा को देश में प्रथम स्थान दिलवाने की दिशा में वर्तमान सीईओ व प्राधिकरण की पूरी टीम अग्रसर है। शहर को स्वच्छता के श्रेष्ठ मुकाम पर पहुंचाने में वर्तमान सीईओ के अलावा इसका श्रेय पूर्व सीईओ रितु माहेश्वरी को श्रेय भी जाता है।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

अंतरिक्ष में कीर्तिमान

नए साल की शुरुआत के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक कामयाबी हासिल कर ली। इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' यानी स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की अंतरिक्ष में डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस सफलता के बाद अब भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। इस ऐतिहासिक कामयाबी से भारत अमेरिका,रूस व चीन के बाद यह लक्ष्य हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान-4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिये एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी-60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। बीते कल डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। दरअसल, अंतरिक्ष में डॉकिंग का मतलब है दो अंतरिक्ष यानों को आपस में जोड़ना। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है। बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने-जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिये सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। निश्चय ही यह भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का गौरवशाली क्षण बना है। यह हमारी अंतरिक्ष में एक लंबी छलांग भी है। वाकई इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है। जो आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अतंरिक्ष मिशनों की राह सुगम बनाएगा। निश्चित रूप से अब आने वाले सामरिक व रणनीतिक लक्ष्यों के लिये अंतरिक्ष में कामयाबी निर्णायक साबित हो सकती है। भारतीय वैज्ञानिकों की यह कामयाबी नई उम्मीद जगाती है। अंतरिक्ष में दबदबा बनाने के लिये अमेरिका व चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। दोनों चंद्रमा पर अपना वर्चस्व बनाने की होड़ कर रहे हैं। पिछले दिनों चीन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के अंतरिक्ष बल द्वारा जापान में एक इकाई तैनात करने से वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है। हालांकि खुद बीजिंग भी अंतरिक्ष में अपनी सैन्य क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। यह भारत के लिये भी चिंता की स्थिति है। ऐसे में भारत को अपने अत्याधुनिक अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति देने में कोई ढील नहीं देनी चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सिद्ध, तपस्वी, योगीगण, देवता, किन्नर और मुनियों के समूह उस पर्वत पर रहते हैं। वे सब बड़े पुण्यात्मा हैं और आनंदकन्द श्री महादेवजी की सेवा करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

हरि हर बिमुख धर्म रति नाहीं। ते नर तहँ सपनेहुँ नहिं जाहीं॥
तेहि गिरि पर बट बिटप बिसाला। नित नूतन सुंदर सब काला॥

जो भगवान विष्णु और महादेवजी से विमुख हैं और जिनकी धर्म में प्रीति नहीं है, वे लोग स्वप्न में भी वहाँ नहीं जा सकते। उस पर्वत पर एक विशाल बरगद का पेड़ है, जो नित्य नवीन और सब काल (छहों ऋतुओं) में सुंदर रहता है॥

त्रिबिध समीर सुसीतलि छाया। सिव बिश्राम बिटप श्रुति गाया॥
एक बार तेहि तर प्रभु गयऊ। तरु बिलोकि उर अति सुखु भयऊ॥

वहाँ तीनों प्रकार की (शीतल, मंद और सुगंध) वायु बहती रहती है और उसकी छाया बड़ी ठंडी रहती है। वह शिवजी के विश्राम करने का वृक्ष है, जिसे वेदों ने गाया है। एक बार प्रभु श्री शिवजी उस वृक्ष के नीचे गए और उसे देखकर उनके हृदय में बहुत आनंद हुआ॥

निज कर डासि नागरिपु छाला। बैठे सहजहिं संभु कृपाला॥
कुंद इंदु दर गौर सरीरा। भुज प्रलंब परिधन मुनिचीरा॥

अपने हाथ से बाघम्बर बिछाकर कृपालु शिवजी स्वभाव से ही (बिना किसी खास प्रयोजन के) वहाँ बैठ गए। कुंद के पुष्प, चन्द्रमा और शंख के समान उनका गौर शरीर था। बड़ी लंबी भुजाएँ थीं और वे मुनियों के से (वल्कल) वस्त्र धारण किए हुए थे॥

(क्रमशः...)

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषत: पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश ?सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं? निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास एवं कडवाहट उपजी है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत के लिए यही उचित है कि वह पाक-बांग्लादेश के संभावित गठजोड़ से सावधान रहे। भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद बाड़बंदी मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका हो। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

शार्टकट और कॉपी पेस्ट की जकड़न में आज की जेनरेशन

आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी एप के सहारे आगे बढ़ने लगी है। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरें में लाने का काम करेगी यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को थुथला करने में ही सहायक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करों वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म का सहारा लेकर तत्काल दे देंगे। हांलाकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट प्लेटफार्म पर उपलब्ध है निश्चित रुप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरिज का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौनसा लिंक अधिक सटीक है। दर असल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगन्य हो जाती है। समझ में यह भी आ जाता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ साफ देखा जा सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूगल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित सामग्री के अनेक स्रोत देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कट किया और उसके बाद पेस्ट करके अपना काम पूरा कर लेता है। यह सब चिंतनीय इसलिए है कि सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण 2024 में यह सामने आया है कि डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिश्री कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। उत्तराखण्ड के पीछे पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कमोबेस यही है और उत्तरप्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। कमोबेस यह हालात भारत ही नहीं आज की तारीख में दुनिया के अधिकांश देशों में आम होती जा रही है। तकनीक के उपयोग में कोई बुराई नहीं हैं अपितु तकनीक के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है।

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की जहमत कौन उठाएं। कोरोना के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का जो चलन चला था उसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तय करना जोखिम भरा काम है। परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे रहते हैं और आपसी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। एकाकीपन बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशियल मीडिया में शार्टकट मैसेजों का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब 2025 की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डब्ल्यूटीएफ का चलन जोरों से चल रहा है। डब्ल्यूटीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर दूसरी और नए साल के बुधवार से आरंभ होने को लेकर डब्ल्यूटीएफ का धडल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई थी और उस साल कोरोना के भयावह दौर से गुजरना पड़ा। इस तरह से डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से कोरोना काल जैसी त्रासदी की संभावना से लोगों को डराया जा रहा है। अब जिस तरह के चीन से समाचार आ रहे हैं उनमें कितनी सचाई है यह तो दूर की बात है पर उससे दहसत का माहौल बनता जा रहा है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशियल मीडिया के इस जमाने में कम्युनिकेशन स्किल तो दूर की बात शार्ट कट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। खास यह कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दुनिया से बाहर लाना ही होगा। कहा जाता है कि जितना अधिक अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उतना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जो जानकारियां हैं उन्हीं का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, तर्क-वितर्क, वैचारिक परिपक्वता, शोध आदि की कल्पना करना अपने आप में गलत होगा। ऐसे में तकनीक का उपयोग सहजता के लिए किया जाना तो उचित है पर तकनीक के नाम पर केवल शार्ट कट या कॉपी पेस्ट तक सीमित होना अपने आप में गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। शिक्षाविदों को इस पर गंभीर चिंतन करना होगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राशिफल

माघ कृष्ण पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में अनियमितता बनी रहेगी। उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बाकी प्रेम-संतान ठीक-ठाक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
यात्रा से बचें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम-संतान भी मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वंय के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पैरों में चोट-चपेट लग सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों के सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू,मैं-मैं से बचें। नकारात्मक सोच के शिकार होंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भूमि और वाहन की खरीदारी में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। मां का स्वास्थ्य खराब रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान और गला की परेशानी होगी या कंधे और भुजाओं में थोड़ी दर्द हो सकता है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की स्थिति लगभग ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा के शिकार होंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार ठीक नहीं चल रहा है। बहुत ध्यान से चलें।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से पेफी हुई सम्मानित

दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के राष्ट्रीय सचिव, डॉ. पीयूष जैन को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह जानकारी पेफी के राष्ट्रीय मीडिया सलाहकार दिनेश गौड़ ने दी।

डॉ. जैन ने इस उपलब्धि को उन सभी शिक्षकों, छात्रों और समर्थकों को समर्पित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह पुरस्कार उन सभी के सहयोग और समर्पण का प्रमाण है जो भारत को खेलों में वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री गौड़ ने बताया कि डॉ. जैन ने इस उपलब्धि को न केवल व्यक्तिगत गौरव का विषय बताया, बल्कि इसे देश के हर युवा के लिए प्रेरणा स्रोत माना।

समारोह के बाद डॉ. जैन ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का सबसे गौरवशाली क्षण है। उन्होंने खेलों के माध्यम से स्वस्थ और सशक्त समाज बनाने के अपने मिशन को दोहराया और कहा कि यह सम्मान उन्हें और उनके संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रेरित करेगा। इस पुरस्कार के साथ, पेफी और उसके नेतृत्व में कार्य कर रहे सभी सदस्य भारत में खेल और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए उत्साह और जोश के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

गरीब एवं असहाय लोगों को किया कम्बल वितरण

गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से बचाने के लिए कामायनी फाउंडेशन प्रयासरत : प्रवीण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कामायनी फाउंडेशन के द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीतलहरी से बचने के लिए जनपद में विभिन्न स्थानों पर गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया गया।

कामायनी फाउंडेशन द्वारा ग्राम सिरसा में प्रकाश प्रधान, ग्राम लडपुरा में प्रमोद शर्मा व विनोद भाटी, ग्राम गंगोला में उदयवीर प्रजापति, ग्राम सलेमपुर में एडवोकेट ब्रह्म दत्त शर्मा, ब्रह्म सिंह भाटी के नेतृत्व में गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया गया।

इस दौरान कामायनी फाउंडेशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार सेन, संस्थापक/राष्ट्रीय महासचिव मनोज कुमार बिरौडी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट कविता नागर, शिवम मावी, अभिषेक भाटी, आकाश चौधरी प्रदीप शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

'मुक्तांचल' के 44वें अंक का हुआ विमोचन व संगोष्ठी

कोलकाता (ब्यूरो)। विद्यार्थी मंच की साहित्यिक पत्रिका 'मुक्तांचल' के 44वें अंक का विमोचन अतिथि संपादक पंकज साहा की उपस्थिति में किया गया। मुक्तांचल का यह अंक 'लोक साहित्य' पर केंद्रित है। विद्यार्थी मंच एवं गाथा प्रकाशन द्वारा संचालित 'साहित्यिक अड्डे' में इस अंक के विमोचन के अवसर पर पत्रिका की संपादक डॉ. मीरा सिन्हा ने लोक साहित्य के अध्ययन और शोध की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि 'मुक्तांचल-44 का यह विशेषांक उन अध्येताओं के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा जो लोक साहित्य पर शोध कर रहे हैं।' पुस्तक विमोचन के इस अवसर पर आलोचक रविभूषण, डॉ. विनय मिश्र, डॉ. प्रकाश अग्रवाल, डॉ. शुभ्रा उपध्याय, शैलेंद्र शांत, पद्माकर व्यास, डॉ. विजया सिंह, सुशील कुमार पांडेय, सरिता खोवाला, नीतीश सिंह, डॉ. रेणु चौधरी, कंचन रजक (शोधार्थी), डॉ नमिता जायसवाल, विनीता लाल, अक्षिता शशि साव, मंगल पांडेय, स्वराज पांडेय, जान्हवी पाण्डेय, प्रकाश प्रियांशु, शशि साव, राजसार्थक शर्मा, बलराम साव एवं अन्य लोग उपस्थित थे। विमोचन सह साहित्यिक अड्डे का कुशल संचालन विनोद यादव ने किया।

साहित्यिक अड्डा और पत्रिका के विमोचन के पूर्व डॉ. मीरा सिन्हा के आवास पर एक अंतरंग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अंतरंग संगोष्ठी में सुप्रसिद्ध आलोचक डॉ. विजय बहादुर सिंह, डॉ. रविभूषण, मृत्युंजय श्रीवास्तव, मंजू श्रीवास्तव, डॉ. मंजू रानी सिंह, डॉ. शुभ्रा उपध्याय, उमा झुनझुनवाला, गुंजन अजहर, विनोद यादव, सुशील कुमार पांडेय, मंगल पांडेय, जान्हवी पाण्डेय, स्वराज पांडेय, उपस्थित थे।

डॉ. शुभ्रा उपध्याय, उमा झुनझुनवाला, मंजू श्रीवास्तव तथा मृत्युंजय श्रीवास्तव ने प्रसिद्ध आलोचक एवं कवि डॉ. विजय बहादुर सिंह के सद्य प्रकाशित काव्य संकलन 'फूल को याद थे सारे मौसम' की रचनाओं का पाठ किया।

इफको रिक्रिएशन क्लब के सचिव बने डी.के. शुक्ल

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको रिक्रिएशन क्लब के चुनाव डी.के.शुक्ल सचिव पद पर पुन: निर्वाचित हुए। डी.के.शुक्ल ने राजीव वर्मा को 89 मतों से पराजित किया।

डी.के.शुक्ल को 345 ,राजीव वर्मा को 256 तथा विवेक तिवारी को 88 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर कपिल देव कुमार 74 मतों से विजयी हुए। कपिल देव कुमार को 261, राजीव कुमार शर्मा को 187, आर.आर.पात्रा को 185 तथा अखिलेश चन्द्र यादव को 55 मत मिले। संयुक्त सचिव पद पर बलवंत कृष्ण यादव 84 मतों से विजयी हुए। बलवंत कृष्ण यादव को 386 तथा सुशील कुमार पाण्डेय को 302 मत मिले। संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर मानिक चंद्र ने विनीत कुमार दुबे को 52 मतों से पराजित किया। मानिक चंद्र को 370 तथा विनीत कुमार दुबे को 318 मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य पद पर सतेन्द्र यादव, शिशि कांत मिश्र, रामबाबू जयसवाल निर्वाचित हुए।

चुनाव अधिकारी ए.के.श्रीवास्तव ने चुनाव शांति पूर्ण सम्पन्न होने पर सभी कर्मचारियों की सराहना की।

इफको फूलपुर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव ने जीते हुए सभी प्रत्याशियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पृष्ठ एक के शेष....

6 किलोग्राम से अधिक .....

और पूजा के दौरान इसकी आवश्यकता होती है। इन सभी आभूषणों में कुछ खास है। मैंने 6.8 किलोग्राम से अधिक वजन के आभूषण पहने हैं। मैंने इन्हें 15 साल पहले पहनना शुरू किया था। ये रुद्राक्ष मेरे पिता ने दिए थे। इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है जो दूसरों में भी दिखाई देती है। अगर मैं पतलून और शर्ट पहनता तो आप मुझसे बात करने नहीं आते। भगवान ने मुझे सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का यह अवसर दिया है।

गंगा पंडाल में....

मंत्रमुग्ध कर देने वाले गायन से हुई। उनके सुरों की गूंज से वातावरण में आध्यात्मिकता का संचार हुआ। इसके बाद, पद्मविभूषण विश्वमोहन भट्ट ने अपनी मोहन वीणा की जादुई धुन से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने पूरे गंगा पंडाल में दिव्यता का अहसास कराया।

इसके पश्चात भोजपुरी सुपरस्टार रीतेश पांडे ने अपने भजनों से श्रोताओं को भक्ति रस में डुबो दिया। दर्शक उनके गीतों पर झूम उठे। कार्यक्रम की सबसे विशिष्ट प्रस्तुति सांसद और अंतरराष्ट्रीय कलाकार रवि किशन शुक्ल द्वारा प्रस्तुत 'शिव तांडव स्तोत्र' रही। उन्होंने अपनी अद्भुत ऊर्जा और भाव-भंगिमाओं से दर्शकों को पूरी तरह सम्मोहित कर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने कई गंगा गीत प्रस्तुत किए, जिन पर दर्शक झूमते नजर आए।

कार्यक्रम का समापन मधुस्मिता और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत एक भव्य कथक नृत्य नाटिका से हुआ। उनकी प्रस्तुति में भारतीय परंपरा और शास्त्रीय नृत्य की उत्कृष्टता झलकती थी, जिसने पूरे गंगा पंडाल को तालियों की गूंज से भर दिया।

गंगा पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम 24 फरवरी तक प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे। आगामी दिनों में कैलाश खेर, हरिहरन, कविता कृष्णमूर्ति, नितिन मुकेश, सुरेश वाडेकर, और कविता सेठ जैसे प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके साथ ही, शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, भजन और नृत्य का यह संगम महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को और अधिक अद्भुत बनाएगा।

बहु को फांसी ....

शादी 24 नवंबर 2023 को ग्राम बल्लू खेड़ा निवासी चिंटू के साथ की थी। शादी के समय उसने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था। इसके बावजूद भी उसका दामाद चिंटू व ससुर निरंजन व अन्य परिजन उससे संतुष्ट नहीं थे। शादी के कुछ समय बाद ही शीतल को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया गया। आए दिन उसकी बेटी के साथ गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। खेम सिंह के मुताबिक 16 जनवरी को उसके दामाद चिंटू ,उसकी बेटी के ससुर निरंजन, देवर शिवा व ननद कंचन ने मिलकर शीतल को फांसी लगाकर हत्या कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

सोसायटी गार्ड से.....

जसवीर सिंह के मुताबिक घटना से एक दिन पहले मिगसन सोसाइटी के गेट पर दोनों आरोपियों की सतीश व कपिल से कहासुनी हुई थी। दोनों आरोपियों में उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। सुबह ड्यूटी खत्म कर आते समय आरोपियों ने हमला कर इस घटना को अंजाम दिया।

सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के....

उन्होंने बताया कि चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा करनेवालों ने भी नामांकन पत्र वापस नहीं लिये हैं।

उन्होंने बताया कि 13 जनवरी के कुल प्राप्त 8 आपत्तियों पर सुनवाई हुई तथा बायलॉज के मुताबिक उनका निस्तारण भी कर दिया गया। 17 जनवरी को प्रत्याशियों की अंतिम सूची चस्पा कर दी गई। 19 जनवरी को गुप्त वैलेट पेपर के जरिए मतदान होगा जिसकी वीडिरूो रिकॉर्डिंग भी कराई जाएगी।

नोएडा क्राइम

लुटेरों पर लगाया गैंगस्टर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो लुटेरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध किए गए दोनों बदमाश संगठित गिरोह बनाकर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते हैं।।

थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार चाहर ने बताया कि गैंग लीडर मयंक चौहान व गौतम चौहान के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। दोनों आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाया हुआ है यह लोग अपने निजी व आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लूट की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पुलिस ने पूर्व में इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दोनों बदमाशों के अपराधिक इतिहास के आधार पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

कंपनी से चोरी के सामान के साथ बदमाश दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक कंपनी से चोरी किया गया स्टील का पाइप, तमंचा, चाकू, व चोरी की घटना में प्रयुक्त बोलोरो पिकअप गाड़ी बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम एवीजे हाइट्स सोसायटी के सामने चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की दो बदमाश पिकअप गाड़ी में चोरी का सामान लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सेक्टर डेल्टा 3 ओ ब्लॉक की सर्विस रोड पर खड़ी पिकअप में बैठे दो लोगों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए। पिकअप गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें स्टील के पाइप मिले। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम सोनू पुत्र योगेंद्र व उत्तम पुत्र रोशन बताया। दोनों बदमाशों ने बताया कि बोलोरो पिकअप में रखे स्टील के पाइप उन्होंने फैक्ट्री एरिया से चोरी किए हैं। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

गांजा बेचते पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने गांजा विक्रेता को गिरफ्तार किया है। इसके पास से गांजा बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के सामने खाली पड़े प्लाट में बाइक पर बैठा एक युवक पुलिस को देखकर बाइक स्टार्ट कर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से 2 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम शहजाद पुत्र सलीम उर्फ मुन्ना बताया। बरामद बाइक के बारे में आरोपी ने जानकारी दी कि वह चोरी की है और वह इस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। थाना फेस वन में बाइक चोरी का मुकदमा पंजीकृत है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कार्यालय में पेश किया गया है।

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-50 में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोरों ने ड्रेन वाल्व खोलकर तेल चोरी कर लिया। विद्युत विभाग के अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अवर अभियंता राममिलन ने बताया कि सेक्टर-50 में रहने वाले उपभोक्ता ने संविदाकर्मी सौदान सिंह को बिजली ना आने की शिकायत की। विद्युतकर्मी शिकायत के आधार पर मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि सेक्टर-50 में लगे 400 केवीए के ट्रांसफार्मर के ड्रेन वाल्व को खोलकर चोरों ने तेल चोरी कर लिया है। अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल कर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। बता दे कि पिछले कुछ दिनों से ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने की घटनाएं लगातार हो रही है। आज दिन किसी न किसी थाना क्षेत्र में चोर विद्युत ट्रांसफार्मर से तेल चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

गुड्डू बमबाज चकमा देकर दुबई फरार

लखनऊ (एजेंसी)। गैंगस्टर अतीक अहमद का करीबी और उमेश पाल हत्याकांड में वांछित 5 लाख का इनामी गुड्डू मुस्लिम फर्जी पासपोर्ट के सहारे भारत छोड़कर फरार हो गया है। सूत्रों के अनुसार, उसने दिसंबर 2023 में कोलकाता एयरपोर्ट से दुबई के लिए उड़ान भरी।

सूत्रों का कहना है कि गुड्डू मुस्लिम ने सैयद वसीमुद्दीन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया और एतिहाद एयरलाइंस से कोलकाता से दुबई पहुंच गया। जांच में सामने आया है कि यूपी पुलिस और एसटीएफ को चकमा देकर गुड्डू मुस्लिम ने कोलकाता में अतीक अहमद के करीबी लेदर व्यापारी की मदद से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। केंद्रीय एजेंसियों ने यूपी पुलिस को इस संबंध में जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि कोलकाता एयरपोर्ट से वह आसानी से इमिग्रेशन जांच पार कर दुबई चला गया।

गुड्डू मुस्लिम फरवरी 2023 में प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड में मुख्य आरोपियों में से एक है। इस हत्याकांड के बाद से वह फरार चल रहा था। यूपी पुलिस उसकी तलाश में कई महीनों से जुटी हुई थी, लेकिन अब उसके दुबई फरार होने की खबर सामने आई है।

गुड्डू मुस्लिम के फरार होने के बाद अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को लेकर भी फर्जी पासपोर्ट के जरिए देश छोड़ने का शक गहराता जा रहा है। प्रयागराज पुलिस द्वारा हाल ही में गिरफ्तार किए गए एक रिश्तेदार ने खुलासा किया था कि उसने दिल्ली में शाइस्ता से मुलाकात की थी।

मुठभेड़ में गौकशी करने वाला बदमाश घायल

गाजियाबाद। थाना भोजपुर पुलिस की गौकशी करने वाले अपराधियों से हुई मुठभेड के बाद पुलिस ने गौकशी में वांछित बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना भोजपुर पुलिस की ग्राम पट्टी से तिबरा जाने वाले रास्ते पर स्थित जंगल में गोकशी करने वाले अपराधियों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में 1 बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसके कुछ साथी मौके से फरार हो गए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम महताब पुत्र तौसीफ निवासी कलछीना थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद एवं जाजू पुत्र दोषू निवासी ग्राम भोजपुर थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद बताया गिरफ्तार अभियुक्त महताब पर गोकशी एवं गैंगस्टर सहित आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित है।।

भारतीय किसान परिषद द्वारा दिसंबर-2024 में किए गए किसान आंदोलन में नोएडा पुलिस द्वारा जेल भेजे गए किसानों के सम्मान के लिए ग्राम परथला खंजरपुर में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में मातृ शक्ति को भी सम्मानित किया गया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

डॉलर के मुकाबले रुपये में 6 पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में आई तेजी, स्टॉक मार्केट में आई कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण भारतीय मुद्रा में डॉलर की तुलना में शुक्रवार को 6 पैसे की गिरावट आ गई। भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 86.61 रुपये के स्तर पर बंद हुई। पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय रुपया 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। मुद्रा बाजार में भारतीय रुपया दो पैसे की कमजोरी के साथ 86.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया मजबूत होकर 86.55 के स्तर तक पहुंचा, वहीं डॉलर की मांग बढ़ जाने पर भारतीय मुद्रा 86.63 रुपये के स्तर तक टूट भी गई। अंत में भारतीय मुद्रा ने दिन के निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करके 86.61 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। बैंकिंग व आईटी स्टॉक्स में हुई बिकवाली के कारण भी बाजार नीचे आया। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 423 अंक करीब 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ 76,619 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 108 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी की गिरावट लेकर 23,203 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 30 कंपनियों में से इंफोसिस तथा एक्सिस बैंक के शेयर में पांच फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

नोएडा में 18 नई कंपनियां 5 हजार करोड़ का करेंगी निवेश

नोएडा। नोएडा में विकास की रफ्तार को नई दिशा देने के लिए 18 नई कंपनियां तैयार हैं। यह कंपनियां जल्द ही करीब 4800 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। यह निवेश उद्योग, संस्थागत, व्यावसायिक और आवासिय क्षेत्रों में होगा, जो न केवल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बल्कि 16 हजार से अधिक लोगों के लिए नए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा। नोएडा प्राधिकरण ने इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का निर्धारित किया है।

पूर्वोत्तर में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां मणिपुर में : बीरेन सिंह

इंफाल। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बताया कि मणिपुर राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) के व्यवसायों की संख्या सबसे अधिक है। एमएसएमई मंत्रालय की 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 12,438 ऐसे उद्यमों को पंजीकृत किया गया है जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र नए भारत का विकास इंजन बनने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि मणिपुर की जनसंख्या में केवल 0.2 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जबकि एमएसएमई कारोबार में उसकी हिस्सेदारी 0.3 प्रतिशत है। सिंह ने मणिपुर के लोगों के उद्यमशीलता की सराहना की और बताया कि 50 प्रतिशत एमएसएमई व्यवसाय महिलाओं के स्वामित्व में हैं।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या भारत में 900 मिलियन के पार

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या इस साल 900 मिलियन को पार करने वाली है। अनुमानों के अनुसार, 2024 में सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 886 मिलियन तक पहुंच गई है। जिसमें वर्ष-ब-वर्ष 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे मुख्य कारण माना जा रहा है भारतीय भाषाओं में उपलब्ध डिजिटल कंटेंट का बढ़ता हुआ उपयोग है। जिससे क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण भारत, जहां 488 मिलियन उपयोगकर्ता हैं।

आर्थिक विकास दर 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद : विश्व बैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक ने 2025 से शुरू होने वाले अगले दो वित्त वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर सालाना 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। दक्षिण एशिया के लिए जारी वर्ल्ड बैंक के ताजा अनुमानों के मुताबिक भारत में लगातार मजबूत ग्रोथ दिखने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 से शुरू होने वाले अगले दो वित्त वर्षों यानी 2025-26 और 2026-27 के दौरान भारत की ग्रोथ रेट 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष रह सकती है। वर्ल्ड बैंक की इसी रिपोर्ट में 2024-25 के दौरान भारत के विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। भारत के आर्थिक अनुमानों के साथ ही वर्ल्ड बैंक ने इस रिपोर्ट में 2025-26 में दक्षिण एशिया में ओवरऑल ग्रोथ रेट बढ़ कर 6.2 प्रतिशत होने की उम्मीद भी जताई है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सर्विस सेक्टर में लगातार विस्तार होने की उम्मीद है। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में भी तेजी आने का अनुमान है। खासकर, सरकार की ओर से कारोबारी माहौल में सुधार लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटीज को फायदा होगा। निवेश में भी सस्टेनेबल ग्रोथ होने का वर्ल्ड बैंक में अनुमान लगाया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि इस दौरान प्राइवेट सेक्टर की ओर से होने वाले इन्वेस्टमेंट में तेजी आने की उम्मीद है। जिससे सरकारी निवेश में आई गिरावट की भरपाई हो सकती है। वर्ल्ड बैंक की इस रिपोर्ट में 2024-25 में भारत की ग्रोथ रेट घट कर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की गई है। निवेश में गिरावट आने और मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में कमजोरी आने की वजह से मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की ग्रोथ रेट में गिरावट आने के आसार हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि निजी उपभोग की ग्रोथ लगातार अच्छी बनी हुई है। इसमें मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय में सुधार हुआ है। इसके साथ ही कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होने के कारण भी रूरल सेक्टर में सुधार हुआ है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान भारत को छोड़कर शेष दक्षिण एशिया में विकास दर बढ़ कर 3.9 प्रतिशत होने का अनुमान है। दक्षिण एशिया की विकास दर में सुधार आने के लिए पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान और श्रीलंका की आर्थिक स्थिति में हुए सुधार को मुख्य वजह माना गया है। हालांकि रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि 2024 के दौरान बांग्लादेश में मची राजनीतिक उथल-पुथल के कारण दक्षिण एशिया की इकोनॉमिक एक्टिविटी पर असर पड़ा हुआ है। इससे बांग्लादेश में औद्योगिक गतिविधियां कमजोर हुई हैं और कीमत पर दबाव बढ़ा है।

पीयूष गोयल ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को बताया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो शो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो बताया है। उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में प्रधानमंत्री के विजन ने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। गोयल ने कहा कि भारत मोबिलिटी दुनिया को भारत की कहानी दिखा रही है। नवाचार और स्थिरता अब देश में ऑटो उद्योग का फोकस है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया। जिसमें उन्होंने दिग्गज रतन टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करेगी। ये एक्सपो 22 जनवरी तक तीन प्रतिष्ठित स्थलों भारत मंडपम, नई दिल्ली, यशोभूमि, द्वारका और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला को एक छत के नीचे एकजुट करना है। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में तीन स्थानों पर 2 लाख वर्ग मीटर का उपयोग भारत मोबिलिटी शो के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी सेक्टर का स्वरूप बदल रहे हैं, पहली बार ऑटो खरीदने वालों को ईवी खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है।

रिलायंस रिटेल ने हर दिन खोले 2 से ज्यादा स्टोर, साल भर में खुले 779 स्टोर

29 करोड़ 60 लाख खरीददारों ने किया रिलायंस स्टोर विजिट

एजेंसी

मुंबई। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (RRVL) ने पिछले वर्ष 2024 में कुल 779 नए स्टोर खोले हैं। कंपनी ने पिछले वर्ष भर में हर रोज 2 से भी ज्यादा स्टोर खोले, जोकि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। देश भर में रिलायंस रिटेल के स्टोर्स की कुल संख्या बढ़कर अब 19,102 हो गई है। पिछले वर्ष 29 करोड़ 60 लाख उपभोक्ता खरीददारी करने आए। इन आंकड़ों का खुलासा रिलायंस के तिमाही नतीजों में हुआ। तिमाही नतीजों के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड 90,333 करोड़ का राजस्व दर्ज किया है। जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 8.8% अधिक रहा। कंपनी का EBITIDA भी बढ़कर 6,828 करोड़ हो गया। नतीजों पर टिप्पणी करते हुए रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा रिटेल सेगमेंट के सभी प्रारूपों ने उल्लेखनीय योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन किया है। रिलायंस रिटेल अपनी व्यापक पहुंच और विविध उत्पाद के माध्यम से ग्राहकों के शॉपिंग अनुभव को बेहतर बनाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, त्यौहारी खरीद-फरोख़्त के दम पर रिलायंस रिटेल ने इस तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कम कीमत पर विविध और बेहतरीन उत्पादों की ओर हमारा ध्यान रहा जिसने ग्राहकों को हमारे स्टोर और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित किया। कंपनी ने हर श्रेणी में शानदार प्रदर्शन कर मार्किट पर पकड़ बनाए रखी।

खाने की बर्बादी व भूख की समस्या से निपटने के लिए स्विगी ने की स्विगी सर्व्स की शुरूआत

एजेंसी

रांची। भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी (स्विगी लि, एनएसई : स्विगी / बीएसई: 544285) ने आज अपनी महत्वाकांक्षी पहल स्विगी सर्व्स की शुरूआत का एलान किया। इस पहल का उद्देश्य कंपनी की वैल्यू चेन में खाने की बर्बादी को न्यूनतम करना और भूख की समस्या का निदान करना है। इस कैंपेन के तहत स्विगी ने रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) के साथ साझेदारी का एलान किया है। स्विगी और आरएचए का उद्देश्य स्विगी के पार्टनर रेस्टोरेंट्स से सरप्लस खाने को लेकर उसे जरूरतमंद लोगों के बीच वितरित करना है। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों संगठनों ने 2030 तक 5 करोड़ भोजन परोसने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। अब तक 126 रेस्टोरेंट पार्टनर्स ने स्विगी की इस पहल से जुड़ने की सहमति जताई है। उनके माध्यम से 33 शहरों में 2,000 भोजन परोसा गया। बिकगेन बिरयानी, बिरयानी बाय द किलो, दाना चोगा, वर्धास, चारकोल ईट्स - बिरयानी एंड बियॉन्ड, डब्बा गरम, हाउस ऑफ बिरयानी, बी.टेक मोमोज वाला, समोसा सिंह, बबाई टिफिन्स, डोसा अन्ना, अर्बन तंदूर जैसे ब्रांड्स ने स्विगी सर्व्स-आरएचए की पहल का हिस्सा बनने की सहमति जताई है। रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) एक वॉलंटियर बेस्ड जीरो-फंड्स ऑर्गनाइजेशन है।

चैम्पियंस का टशन पर, शक्ति कपूर ने प्रतियोगी परी की तुलना अपनी बेटी श्रद्धा कपूर से की

एजेंसी

मुंबई। सोनी टीवी का होमग्रोन फॉर्मेट, इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैम्पियंस का टशन में टीम आईबीडी का नेतृत्व करने वाली मलायका अरोड़ा और टीम एसडी का समर्थन करने वाली गीता कपूर के साथ, दिग्गज रेमो डिसूजा जजों के पैनल के मुखिया हैं। जहां टॉप कोरियोग्राफरों के मार्गदर्शन में 12 असाधारण डांसर्स प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस एपिसोड में बॉलीवुड के प्रसिद्ध कॉमेडी आइकन शक्ति कपूर और चंकी पांडे भी क्रमशः सुपर डांसर और इंडियाज बेस्ट डांसर के लिए चीयर करते नजर आएंगे। जिनके साथ ही इस प्रतियोगिता में गर्माहट बढ़ गई है। और फाइनल स्पॉट पाने की बैटल और भी प्रबल हो गई है। हर हफ्ते लॉर्ड रेमो प्रतियोगियों के लिए रोमांचक चुनौतियां पेश करते हैं। इस एक्ट से प्रभावित होकर शक्ति कपूर ने तारीफ करते हुए कहा, यह छोटी बच्ची मुझे श्रद्धा की याद दिलाती है। जब श्रद्धा इस उम्र की थीं तो वह डांस प्रतियोगिताओं में जाती थीं और फिर एक समय ऐसा आया जब लोगों ने उन्हें भाग लेने देना बंद कर दिया।

स्कोडा काइलैक को भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार रेटिंग

- सुरक्षा हमारे डीएनए का हिस्सा है

एजेंसी

रांची/जमशेदपुर। कार में सफर करते समय सबसे जरूरी चीज होती है सुरक्षा। और इसी को साबित किया है। स्कोडा की नई एसयूवी काइलैक ने इस कार ने भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में शानदार 5-स्टार रेटिंग हासिल की है। जिससे यह अपने सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कार बन गई है। कंपनी के डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कहा, सुरक्षा हमारे डीएनए का हिस्सा है। हर स्कोडा कार को 5-स्टार सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के साथ बनाया जाता है। हम भारत में सेफ्टी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। और काइलैक इसका बेहतरीन उदाहरण है। काइलैक में 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल होल्ड कंट्रोल और रोलओवर प्रोटेक्शन जैसे 25 से ज्यादा एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इसकी हॉट-स्टैम्प्ड स्टील बॉडी और खास क्रैश मैनेजमेंट सिस्टम इसे और सुरक्षित बनाते हैं। काइलैक ने एडल्ट सेफ्टी में 97% और चाइल्ड सेफ्टी में 92% स्कोर किया। जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे आगे रखता है। स्कोडा की पिछली कारें कुशाक और स्लाविया भी 5-स्टार रेटिंग हासिल कर चुकी हैं। और अब काइलैक इस विरासत को आगे बढ़ा रही है।

मारुति ने की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा लांच, 100 देशों में की जाएगी निर्यात

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अपनी पहनी बैटरी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा शुक्रवार को लॉन्च की। कंपनी की योजना इसे 100 से ज्यादा देशों में निर्यात करने की है। ये कार फुल चार्ज पर 500 किलोमीटर से ज्यादा चलेगी। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को प्रदर्शित किया। नई दिल्ली में आयोजित वाहन प्रदर्शनी में इसे लॉन्च करने के बाद सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि इलेक्ट्रिक एसयूवी को यूरोप और जापान सहित विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात किया जाएगा। तोशीहिरो सुजुकी ने कहा, हम आने वाले कुछ महीनों में मारुति सुजुकी के गुजरात संयंत्र में ई-विटारा का उत्पादन शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यहां से हम यूरोप और जापान सहित 100 से ज्यादा देशों को निर्यात करेंगे।

रियलमी ने लॉन्च की रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी

दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर चेंजिंग स्मार्टफोन

एजेंसी

रांची। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में अत्याधुनिक उत्पाद - रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी और रियलमी बड्स वायरलेस 5 पेश किए। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी दो इनोवेटिव मॉडलों रियलमी 14 प्रो 5जी और रियलमी 14 प्रो+ 5जी के साथ आ रही है। इन दोनों स्मार्टफोंस को मशहूर डेनिश डिजाईन स्टूडियो, वेल्योर डिजाईनर्स के सहयोग से बनाया गया है। इनके साथ दुनिया में पहले कोल्ड-सेंसिटिव कलर चेंजिंग स्मार्टफोंस की शुरूआत हो रही है। इस नई रियलमी नंबर सीरीज का सबसे पहला स्मार्टफोन रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी है। जिसका उद्देश्य फ्लैगशिप फीचर्स को मिड-रेंज स्मार्टफोंस में लेकर आना और अत्याधुनिक डिजाईन, इमेजिंग एवं परफॉर्मेंस प्रदान करना है। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी उद्योग में कई नई पहल करने वाली एक अत्याधुनिक डिवाईस है। इसमें दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर चेंजिंग स्मार्टफोन हैं। तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने पर ये दोनों मॉडल अपना रंग बदल लेते हैं, और पर्ल व्हाईट से वाईब्रेंट ब्लू में बदल जाते हैं। तापमान बढ़ने पर इनका रंग फिर से बदल जाता है। यह ब्रांड इस सेगमेंट में पहली बार स्वेड लैदर पेश कर रहा है। जो स्किन-फ्रेंडली टच के साथ एक ठोस एवं आरामदायक टैक्सचर प्रदान करता है। रियलमी ने इन स्मार्टफोंस के अलावा, रियलमी बड्स वायरलेस 5 एएनसी का लॉन्च भी किया है। ये वायरलेस ईयरबड बेहतर साउंड क्वालिटी के साथ सुगम यूजर अनुभव प्रदान करते हैं।

सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएगी : जयंत चौधरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएंगी। सोलर कम्युनिटी हब मोबाइल वैन प्रशिक्षण इकाइयों को हरी झंडी दिखाने के बाद उन्होंने संबोधन में यह बात कही। जयंत चौधरी ने कहा कि यह परिवर्तनकारी पहल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन, डेल टेक्नोलॉजीज और स्थानीय हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। सौर ऊर्जा से चलने वाली ये मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां शिक्षा और अवसरों को सीधे वंचित समुदायों के दरवाजे तक पहुंचाकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। चौधरी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 रैंकिंग में भारत को दूसरा स्थान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में हमारे देश की नेतृत्व क्षमता को दशार्ती करती है। इस कार्यक्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव अतुल कुमार तिवारी तथा एनएसडीसी के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सोलर कम्युनिटी हब सौर ऊर्जा से चलने वाली अत्याधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां हैं।

होंडा मोटरसाइकिल व स्कूटर इंडिया भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में प्रस्तुत करेगा भविष्य की मोबिलिटी

एजेंसी

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) बहुप्रतीक्षित भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में मोबिलिटी के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एचएमएसआई एक्सपो में कई नवाचारपूर्ण और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद प्रदर्शित करेगा। जो 17-22 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। यह कंपनी की नवाचार और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। होंडा पैवेलियन की अगुवाई करेगी बिल्कुल नई एक्टिवा ई : और QC1 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स, जिनकी प्रारंभिक कीमतों की घोषणा की गई है। बिल्कुल नई एक्टिवा ई : और QC1 की शुरूआती कीमत क्रमशः 1,17,000 और 90,000 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) रखी गई है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए केयर पैकेज भी पेश किए हैं। जो उनके समग्र मूल्य को बनाए रखने और वाहन की दीर्घायु को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। एचएमएसआई के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा: होंडा में, हम निरंतर नवाचार और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने में विश्वास रखते हैं। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 हमारे कार्बन न्यूट्रैलिटी और सतत मोबिलिटी समाधानों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करने का आदर्श मंच है। एक्टिवा ई और QC1 के साथ हम दो अलग-अलग तकनीकी रूप से उन्नत इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स पेश कर रहे हैं।

जियो 5जी नेटवर्क से 17 करोड़ से अधिक ग्राहक जुड़े

- प्रति व्यक्ति प्रति माह डेटा खपत में आया उछाल, 32.3 GB पहुंचा आंकड़ा
- जियो के ग्राहकों की संख्या 48 करोड़ 21 लाख के पार पहुँची
- औसत राजस्व प्रति यूजर बढ़कर 203.3 हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश भर में 17 करोड़ से अधिक ग्राहक, जियो का 5जी नेटवर्क इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही जियो, चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडअलोन 5जी ऑपरेटर बन गया है। जियो पर इस्तेमाल होने वाले कुल डेटा खपत का 40 फीसदी अब 5जी उपभोक्ता खर्च करने लगे हैं। जियो पर 5जी के ग्राहक बढ़े, तो प्रति व्यक्ति प्रति माह डेटा खपत में भी उछाल आया, दिसंबर के अंत तक इसने 32.3 GB का आंकड़ा छू लिया। यह इंडस्ट्री में सबसे अधिक है। इस साल जियो नेटवर्क पर कुल डेटा खपत 4651 करोड़ जीबी रही। यह पिछले साल के मुकाबले 22.2% ज्यादा थी। रिलायंस ने अपने तिमाही नतीजों में इसका खुलासा किया। जियो के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, डिजिटल सेवा व्यवसाय में मजबूत वृद्धि का कारण ग्राहकों की तादाद में निरंतर बढ़ोतरी है। यह बेहतर ग्राहक मिश्रण और 5जी नेटवर्क में अपग्रेड करने वाले उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या के दम पर हुआ। होम ब्रॉडबैंड सेवाओं में आकर्षक पेशकशों के दम पर जियो ने बाजार पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, डिजिटल इंडिया मिशन को पूरा करने के लिए जियो ने पिछले एक साल में 5जी को देश भर में पहुँचाने और फि क्स्ड ब्रॉडबैंड की सेवाओं को टियर-1 शहरों से आगे ले जाने का काम किया है। आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस की ताकत को अपनाने के साथ ही जियो ने तकनीक में इनोवेशन को बढ़ावा देकर एक ऐसे कनेक्टेड भविष्य की नींव डाल दी है जो कायाकल्प करने में मददगार साबित होगा। इसका लाभ आनेवाले कई वर्षों तक सबको मिलता रहेगा। वर्ष 2024 के अंत तक जियो के ग्राहकों की संख्या 48 करोड़ 21 लाख के पार पहुँच गई थी। इस तिमाही में जियो ने 33 लाख नेट ग्राहक जोड़े। तीसरी तिमाही में जियो का वित्तिय प्रदर्शन भी शानदार रहा। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का शुद्ध मुनाफा साल दर साल 26.0% बढ़कर 6,861 करोड़ हो गया। टैरिफ में बढ़ोतरी और बेहतर सब्सक्राइबर मिक्स के दम पर जियो का अफ्द्धव बढ़कर 203.3 हो गया है। कंपनी का दावा है कि टैरिफ बढ़ोतरी का पूरा असर अगले कुछ महीनों में दिखाई देगा।

सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएगी : जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएंगी। सोलर कम्युनिटी हब मोबाइल वैन प्रशिक्षण इकाइयों को हरी झंडी दिखाने के बाद उन्होंने संबोधन में यह बात कही। जयंत चौधरी ने कहा कि यह परिवर्तनकारी पहल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन, डेल टेक्नोलॉजीज और स्थानीय हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। सौर ऊर्जा से चलने वाली ये मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां शिक्षा और अवसरों को सीधे वंचित समुदायों के दरवाजे तक पहुंचाकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। चौधरी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 रैंकिंग में भारत को दूसरा स्थान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में हमारे देश की नेतृत्व क्षमता को दशार्ती करती है। इस कार्यक्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव अतुल कुमार तिवारी तथा एनएसडीसी के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सोलर कम्युनिटी हब सौर ऊर्जा से चलने वाली अत्याधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां हैं।

खास खबर

वाटसन ने क्वेटा ग्लैडिएटर्स से करार तोड़ा

लाहौर । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) फ्रेंचाइजी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के साथ अपना कोचिंग करार समाप्त कर दिया है। वाटसन को लीग में दो साल का कार्यकाल मिला था पर उन्होंने एक साल में ही परेशान होकर कोच पद छोड़ दिया। क्वेटा ग्लैडिएटर्स के मालिक नदीम उमर ने भी कहा है कि वाटसन लीग के 10वें सत्र के लिए उनकी फ्रेंचाइजी के साथ नहीं रहेंगे और दोनों ने आपसी सहमति से करार तोड़ने का फैसला किया है। उमर ने कहा कि हम वाटसने को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि वाटसन ने इसलिए करार तोड़ा है क्योंकि उन्हें टीम प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में हस्तक्षेप पसंद नहीं था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची स्वीयाटेक

मेलबर्न। पोलैंड की इगा स्वीयाटेक यहां खेले जा रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गयी हैं। स्वीयाटेक ने दूसरे दौर में स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी। स्वीयाटेक इस मैच में अपनी विरोधी रेबेका पर हावी रही। उससे 26 रैलियों में से 20 में जीत हासिल की। इस पोलिश खिलाड़ी ने कहा, मैंने आज अच्छा पदर्शन किया जिससे मुझे खुशी हुई है। अब तीसरे दौर में स्वीयाटेक का मुकाबला 2021 यूएस ओपन चैंपियन इंग्लैंड की एम्मा राडुकानू से होगा। राडुकानू ने अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ दूसरे दौर में 6-3, 7-5 से जीत हासिल कर पहली बार तीसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं स्वीयाटेक को राडुकानू के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अब तक राडुकानू के खिलाफ बिना कोई सेट गंवाए पिछले तीनों मुकाबलों में जीत हासिल की है। स्वीयाटेक अब तक तक इस टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। वह एक भी सेट हारे बिना तीसरे दौर तक पहुंची हैं।

साकिब महमूद को भारत दौरे के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली। साकिब महमूद को आखिरकार भारत में इंग्लैंड की आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपना वीजा मिल गया है, जिसका अर्थ है कि वह बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच से पहले शुक्रवार को टीम के साथ कोलकाता जा सकेंगे। पाकिस्तानी मूल के महमूद को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में भाग नहीं ले सके। हालांकि आदिल राशिद और रेहान अहमद को पहले ही अपना वीजा मिल गया था। लंकाशायर के इस तेज गेंदबाज को पहले भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जब 2019 में इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी। 2024 में, वीजा की धीमी प्रक्रिया के कारण इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच चूक गए थे।

मनु भाकर-गुकेश सहित चार को मिला खेल रत्न

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिए खेल पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य केंद्रीय मंत्री भी

मौजूद रहे। खेल मंत्रालय द्वारा जनवरी के शुरूआती सप्ताह में खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की गई थी और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। 22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

34 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार

खेल रत्न के अलावा 34 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया जिसमें से एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको को लाइफटाइम वर्ग में शामिल हैं।

14 फरवरी से शुरू होंगे महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले

- पहली बार चार स्थानों पर खेला जाएगा टूर्नामेंट

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पहली बार टूनार्मेंट चार स्थानों मुंबई, लखनऊ, बेंगलुरु और वडोदरा में खेला जाएगा। वहीं इससे पहले केवल लखनऊ और वडोदरा का ही आयोजन स्थल के तौर पर चयन किया गया था पर बाद में गवर्निंग काउंसिल की बैठक में तय किया

गया कि अब ये टूनार्मेंट कई स्थानों पर खेला जाना चाहिए। इसके बाद ही इमसें मुंबई और बेंगलुरु को भी जगह मिली। बीसीसीआई के कहा है कि अब स्थानों को अंतिम रूप देने के साथ ही लॉजिस्टिक्स से जुड़े मामले को ध्यान में हुए सभी हितधारकों - फ्रेंचाइजी, प्रसारकों और अन्य के साथ मिलकर काम करेगा। यह टूनार्मेंट 14 फरवरी को शुरू होकर मार्च के पहले हफ्ते तक समाप्त हो सकता है। वडोदरा में नये बने कोटाम्बी स्टेडियम में मार्च में फाइनल खेला जाएगा। यहां हाल ही में भारतीय महिला टीम के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी हुई थी। लीग का पहला मुकाबला 14 फरवरी को वडोदरा में गुजरात और आरसीबी के बीच खेला जाएगा।

रोहित के बचाव में उतरे युवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खराब फार्म के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बचाव किया है। युवराज ने कहा कि भले ही रोहित न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को जीत नहीं दिला पाये हैं पर उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। युवराज ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, रोहित की कप्तानी में ही टीम टी20 विश्व कप जीती और एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल तक पहुंची। रोहित की कप्तानी में ही मुंबई

इंडियंस ने 5 आईपीएल जीते। उन्होंने किसी और को अवसर देने के लिए सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का फैसला किया था। पूर्व में किसी कप्तान ने ऐसा किया है क्या? मैं देखता हूं कि उन्होंने पिछले 3 से 5 सालों में क्या किया है, एक या दो टूनार्मेंट से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए, घरेलू सीरीज हार ज्यादा निराशाजनक थी क्योंकि भारत का न्यूजीलैंड से 3-0 से हारना ज्यादा कठिन था।

रोहित की कप्तानी में ही टीम ने 2023 में हुए विश्व कप के दौरान लगातार 10 मैच जीते थे। उनके नेतृत्व में ही टीम ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल में भी प्रवेश किया था पर उसे वहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। युवराज ने ये भी कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर को और समय दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कुछ समय पहले ही टीम के कोच बने हैं। अभी उन्हें पूरी तरह से प्रक्रिया में आने दिया जाये।

भारतीय टीम का बल्लेबाजी कोच बनना चाहते हैं पीटरसन

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भारतीय क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच बनना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौर के बाद भारतीय बोर्ड को टीम इंडिया के लिए एक बल्लेबाजी कोच की जरूरत महसूस हुई है। इसी को देखते हुए पीटरसन ने टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच बनने में रुचि जताई है। भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद ही बल्लेबाजी कोच के बिना खेल रही है। विश्वकप तक मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ के समय विक्रम राठौर मुख्य कोच थे। वहीं द्रविड़ के बाद जगह गौतम गंभीर मुख्य कोच बने। गंभीर के साथ अभिक नायर टीम इंडिया के सहायक कोच बने, जबकि द अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मौर्न मोर्कल गेंदबाजी

कोच के रुप में जुड़े। टी दिलीप टीम इंडिया के फील्डिंग कोच बने हे, जबकि रेयान टेन डेशखाटे को टीम इंडिया का दूसरा असिस्टेंट कोच बनाया गया। गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम की बल्लेबाजी खराब रही है। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के नए बल्लेबाज कोच की तलाश को लेकर कई गई एक पोस्ट के जवाब में पीटरसन ने लिखा कि, भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल पर आधारित रहा है और अन्य बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

अगले तीन माह खेल से दूर रहेंगे तुषार

मुंबई । मुंबई के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे अगले दो से तीन महीने तक नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण तुषार के टखने की चोट का उभरना है। उनके टखने की गत वर्ष सितंबर में लंदन में सर्जरी हुई थी। इस तेज गेंदबाज ने अपना पिछला मैच जुलाई 2024 में जिम्बाब्वे दौरे में खेला था। इस चोट के फिर से उभरने के कारण तुषार 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में भी नहीं खेल पायेंगे। तुषार आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं और अब देखना होगा कि वह 14 मार्च से शुरू होने वाले सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो पाते हैं या नहीं। मुंबई का अगला रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू-कश्मीर से होगा जिसमें बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी खेल सकते हैं। यशस्वी का प्रदर्शन हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में सामान्य रहा।

कान्हाचट्टी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का उद्घाटन

- जीप उपाध्यक्ष,प्रमुख एवं बीडीओ ने किया बॉलिंग और बैटिंग कर मैच का आगाज
- आठ टीमें खेलेंगे मैच, उद्घाटन मैच कौलेश्वरी एवं वनखण्डी ब्लाटर के बीच खेला गया

एजेंसी

चतरा । जिला के कान्हाचट्टी प्रखंड के बी के प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में शुक्रवार को कान्हाचट्टी प्रीमियर लीग केपी एल सीजन श्री का रंगारंग आगाज किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि के रुप मे प्रमुख इंदु

कुमारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील प्रकाश थे।सभी अतिथियों ने पहले फीता काट कर एवं फिर बैटिंग एवं बॉलिंग कर प्रितियोगिता का आगाज किया ।इससे पूर्व राष्ट्रीय गान सभी खिलाड़ी एवं अतिथियों ने गाया।उद्घाटन मैच वनखण्डी ब्लास्टर एवं कौलेश्वरी नाइट राइडर के बीच खेला गया।मौके पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए जीप उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी ने कहा कि कान्हाचट्टी में पिछले तीन वर्ष से लगातार के पी एल करवाया जा रहा है।और खेल को खिलाड़ी मैदान में भले ही प्रतिद्वंदी रहते हैं लेकिन खेल को खेल के भावना से खेल कर मिशाल भी प्रस्तुत कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि खेल से शरीर के साथ बुद्धि की भी बृद्धि होती है।वही प्रमुख इंदु कुमारी ने भी कही की क्रिकेट खेल अनिश्चितताओं का खेल है।बी डी ओ सुनील प्रकाश ने कहा कि कान्हाचट्टी में इस तरह का खेल अच्छी पहल है।वनखण्डी ब्लास्टर ने पहले बल्लेबाजी की और 167 रन बनाई।अभिषेक सिंह उर्फ सोनू ने 68 रन बनाया। मौके पर बक्कुम्बा पंचायत मुखिया पार्वती देवी,तुलबुल मुखिया प्रतिनिधि टुनटुन भुइयाँ, कृष्ण पासवान,विनय सिन्हा, अवधेश कुमार सिह उर्फ गुजुन, सतीश सिंह, पंचायत समिति सदस्य राजेन्द्र यादव,उदय चन्द्रवँशी, राजेश दास,मौजुद थे।अम्पायर प्रेम राणा एवं आकिद खान थे।

अर्जुन पुरस्कार मिलने से उत्साहित हैं पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली । पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार ने अर्जुन पुरस्कार मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि उनकी आठ साल की मेहनत सफल हो गयी है। राकेश कुमार और शीतल देवी की भारतीय तीरंदाजी जोड़ी ने पिछले साल पेरिस पैरालिंपिक में मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पैरालिंपिक में असाधारण प्रदर्शन के लिए ही उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राकेश कुमार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मेरी आठ साल की मेहनत का ये फल है। इससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल भी अर्जुन पुरस्कार मिलने पर उत्साहित

है। मोना ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। हम सरकार की ओर से मिले इस सम्मान को पाकर गर्व का अनुभव कर रहे हैं। मोना ने पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में कांस्य पदक जीता था। वहीं युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अनुसार, ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली एकमात्र निशानेबाज मनु भाकर, विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डोमराजू, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को प्रतिष्ठित खेल रत्न से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा हॉकी खिलाड़ी जरमनप्रीत सिंह, संजय, अभिषेक, सुखजीत सिंह और महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को खेल और खेल 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। शतरंज ग्रैंडमास्टर वंतिका अग्रवाल और एथलीट ज्योति याराजी को भी अर्जुन पुरस्कार मिला है। ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल सुरेश कुसाले और सरबजोत सिंह के अलावा पैरा-ओलंपिक निशानेबाज मोना अग्रवाल और रुबीना फ्रांसिस को भी अर्जुन पुरस्कार दिया गया।

एक दिवसीय कराटे ट्रेनिंग का आयोजन

एजेंसी

रांची । शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय कराटे ट्रेनिंग और कलर बेल्ट्स ग्रेडेशन यूनियन क्लब कराटे सेन्टर, रांची में किया गया। उपस्थित कराटेकारो को खेल कराटे के तकनीको और वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के नियमों की जानकारी हांसी मानस सिन्हा, चीफ इंस्ट्रक्टर, शोतोकन कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा दी गई। जिसमे यूनियन क्लब के 35 कराटेकारो ने भाग लिया। हंसी मानस सिन्हा का सहयोग शोकफ के कराटे प्रशिक्षक सेंसाई नंदकिशोर माहतो ने किया। बेल्ट ग्रेडेशन में शानदार प्रदर्शन करने वाले को हांशी मानस सिन्हा ,यूनियन क्लब के सेक्रेटरी सेतंका सेन , राम प्रसाद चटर्जी ने मेडल दे कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कराटेकार इस प्रकार है। तनीषा राठौर, समृद्धि राज लक्ष्मी, अर्णव चौधरी और मानसी वर्मा को मेडल्स प्रदान किया गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: बोपन्ना, झांग मिश्रित युगल के दूसरे दौर में

एजेंसी

मेलबर्न। भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग ने शुक्रवार को यहां इवान डोडिग और क्रिस्टीना म्लादेनोविक पर 6-4, 6-4 की शानदार जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष युगल से जल्दी बाहर हुए पूर्व विश्व नंबर 1 भारतीय ने झांग के साथ अपना कौशल दिखाया, और एक घंटे और 12 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। प्री-क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और झांग का सामना अमेरिका के टेलर टाउनसेंड और मोनेगास्क के ह्यूगो निस की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी और मैडिसन इंगलिस और जेसन कुबेर की वाइल्ड कार्ड

ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

इंडो-चाइनीज जोड़ी ने मजबूत शुरूआत करते हुए शुरूआती सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि क्रोएशियाई डोडिग और फ्रांसीसी महिला म्लादेनोविक ने झांग की सर्विस तोड़कर अंतर को 3-2 से कम कर दिया, लेकिन बोपन्ना दबाव में डटे रहे और पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरूआत दोनों जोड़ियों के कड़े मुकाबले में ब्रेक के आदान-प्रदान के साथ हुई। 3-4 से पिछड़ने पर, इंडो-चाइनीज जोड़ी ने डोडिग और म्लादेनोविक की गलतियों का फायदा उठाया, जिसमें दो महंगे डबल फॉल्ट भी शामिल थे। उन्होंने अगले दो गेम जीतने का साहस बनाए रखा, जिसमें झांग और बोपन्ना ने स्थिर सर्विस और तेज फोरहैंड प्रदर्शन के साथ एक-दूसरे का साथ दिया।

जबकि डोडिग और म्लादेनोविक ने पूरे मैच में 17 ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन महत्वपूर्ण अवसरों को भुनाने में उनकी विफलता उनके लिए महंगी साबित हुई। दूसरी ओर, बोपन्ना और झांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नौ ब्रेक प्वाइंट में से पांच को भुनाया। डोडिग/म्लादेनोविक की तुलना में इंडो-चाइनीज जोड़ी ने निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए 48 में से 31 सर्विस प्वाइंट जीते, जबकि रिटर्न के मामले में वे कुशल रहे और अपने विरोधियों के 48 में से 17 रिटर्न प्वाइंट की तुलना में 34 में से 10 रिटर्न प्वाइंट जीते। बोपन्ना और झांग ने चार वॉली विनर्स के साथ नेट पर अच्छा प्रदर्शन किया और चार पासिंग शॉट लगाने में सफल रहे। उनकी ग्राउंडस्ट्रोक सटीकता स्पष्ट थी, जिसमें उन्होंने तीन फोरहैंड विनर्स लगाए, जबकि डोडिग/म्लादेनोविक असफल रहे। बोपन्ना ने 2023 में सानिया मिर्जा के साथ फाइनल में जगह बनाई थी और वह इस बार हार की भरपाई करना चाहेंगे। मैथ्यू एब्डेन के साथ 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला बड़ा युगल खिताब जीतने के बाद बोपन्ना युगल में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए, 43 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

टूरिन में एफआईएसयू विंटर विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में फिगर स्केटिंग आईस डांस में भाग लेती हुई इमी सीजर और मार्क सेपीरो।

कहानी

कभी किसी अनजान पर भरोसा मत करो

गंगा नदी के किनारे एक बहुत बड़ा पेड़ था। इस पेड़ पर बहुत से पक्षी रहा करते थे। एक दिन एक बूढ़ा गिद्ध वहाँ आया और पक्षियों से बोला कि क्या वह इस वृक्ष के खोल में रह सकता है। सभी पक्षियों ने बूढ़े गिद्ध की आयु को देखते हुए, उसे वहाँ रहने की इजाजत दे दी। वे अपने हिस्से के भोजन में से भी कुछ भोजन उसे खाने को दे देते।

बूढ़े गिद्ध को बहुत अच्छा लगता था। वह मन ही मन सोचता- ये पक्षी कितने दयालु हैं। अतः जब वे अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में जाया करेंगे, तो मैं पीछे से इनके बच्चों की रक्षा किया करूँगा। उस दिन के बाद से गिद्ध ने उनके बच्चों की रक्षा करनी शुरू कर दी। सभी मिल कर हँसी-खुशी रहने लगे।

एक दिन एक बिल्ली वहाँ से गुजरी। उसने उस पेड़ पर नन्हें पक्षियों के चहचहाने की आवाजें सुनी। उसने सोचा कि उसे यहाँ कुछ छोटे व ताजा पक्षियों के बच्चे खाने को मिल सकते हैं। उसे देखकर पक्षियों के नन्हें बच्चे डर के मारे जोर-जोर से चिल्लाने लगे। बूढ़ा गिद्ध चिल्लाया, कौन है

बिल्ली ने सोचा कि यहाँ थोड़ी युक्ति से काम लेना पड़ेगा। वह बोली, 'सुप्रभात श्रीमान! मैं बिल्ली हूँ। बूढ़ा गिद्ध बोला, यहाँ से चली जाओ, वरना मैं तुम्हें खा जाऊँगा।

बिल्ली बहुत चालाक थी। वह बोली, श्रीमान, मैं कुछ कहना चाहती हूँ। उसे सुन लें। फिर उसके बाद चाहें तो मुझे खा लेना।

गिद्ध ने सोचा, क्यों न उसकी बात सुन ली जाए। बिल्ली बोली मैं गंगा नदी के तट पर रहती हूँ। मैं बहुत ही धार्मिक विचार रखती हूँ। मैं गंगा नदी में स्नान करके आपका आशीर्वाद लेने आई हूँ।

गिद्ध बोला, मैं तुम पर कैसे विश्वास करूँ तुम माँस खाने वाली प्राणी हो और यहाँ नन्हें-नन्हें पक्षी रहते हैं। जाओ, भाग जाओ यहाँ से।

बिल्ली ने उत्तर दिया- श्रीमान, मेरा विश्वास कीजिए। मैंने जानवरों का माँस खाना छोड़ दिया है। यहाँ गंगा नदी के किनारे चारों ओर हरियाली है और ढेर सारी हरी वनस्पति है। मैं केवल हरी सब्जियाँ और फल खा कर ही अपना पेट भरती हूँ।

बूढ़ा गिद्ध उसकी बातों में आ गया। उसने उस पर दया खा कर वहाँ रहने की इजाजत दे दी। कुछ दिन तो सब कुछ सही सलामत चलता रहा किंतु बिल्ली अपने ऊपर काबू नहीं रख सकी। अतः उसने प्रतिदिन एक के बाद एक करके नन्हें पक्षियों को खाना शुरू कर दिया। बूढ़े गिद्ध को इसका पता नहीं चला।

बहुत जल्दी पक्षियों ने देखा कि उनके नन्हें बच्चों की संख्या कम होती जा रही है। उन्हें चिंता सताने लगी तथा वे उन्हें यहाँ-वहाँ ढूँढने लगे। चालाक बिल्ली ने इस स्थिति को भाँप लिया

और सोचा कि अब वह पकड़ी जा सकती है। अतः वह वहाँ से भाग निकली।

अपने बच्चों को ढूंढते हुए जब पक्षी, बूढ़े गिद्ध के खोल के पास पहुंचे, तो उन्होंने वहाँ अपने बच्चों की हड्डियाँ पड़ी हुई देखीं। उन्होंने सोचा, इस बूढ़े गिद्ध ने ही हमारे बच्चों को मारा है। अतः वे गुस्से से भर गए और उन सबने मिल कर बूढ़े गिद्ध को मार डाला। बेचारे मासूम गिद्ध को अनजान बिल्ली पर विश्वास करके अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा।

शिक्षा :- कभी किसी अनजान पर भरोसा मत करो।

बच्चों की बुरी आदतों को दूर करने के लिए पैरेंट्स अपनाएं ये ट्रिक्स

जैसे जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनकी आदतें भी बदलती चली जाती हैं। कभी बच्चे बुरी और गंदी आदतें भी सीख लेते हैं जो दूसरों के सामने पैरेंट्स को शर्मिंदा कर देती हैं।

अगर कोई बच्चा बार बार गलत काम करें और आपके मना करने पर भी नहीं सुधर रहा है तो इसका मतलब है कि बच्चे को उस चीज की बुरी आदत लग गई है। कई कारणों से बच्चे बुरी आदतें सीखते हैं जैसे कि जब उन्हें कुछ बुरा लगता है तो खुद को शांत करने के लिए वो गलत हरकतें करने लगते हैं।

इसका एक उदाहरण यह भी है कि जब बच्चों को गुस्सा आता है तो वो अक्सर घर का सामान तोड़ देते हैं या गुस्से में घर की चीजें अस्त व्यस्त कर देते हैं। हो सकता है कि ऐसा करने से उनका मन शांत होता हो, लेकिन यह है तो बुरी आदत ही जिसे स्वीकार करना मुश्किल है।

अगर आपका बच्चा भी किसी गलत आदत में फंस गया है और उसे छोड़ने से मना कर रहा है तो आपको इस मामले में खुद थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी । यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने बच्चे की बुरी आदतों को छुड़वा सकते हैं।

जड़ का पता लगाएं

सबसे पहले तो यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे को वो गंदी आदत क्यों और कहां से लगी। क्या वो नर्वस होने, तनाव में होने या ज्यादा उत्साहित होने पर ऐसा करता है। अधिकतर बच्चे ऐसा महसूस होने पर दांतों को दबाना और नाखून चबाने जैसी हरकत करते हैं। उन चीजों के बारे में सोचें जो बच्चे को ऐसा करने पर मजबूर करते हैं और फिर उन्हें दूर करने का सही तरीका अपनाएं।

पिटाई का बच्चों पर इस कदर पड़ता है बुरा असर

पैरेंट्स को उल्टा जवाब देने या चिल्लाने पर, गुस्सा करने या नखरे दिखाने पर, कोई नियम तोड़ने पर, चेतावनी को नजरअंदाज करने पर, पैरेंट्स की अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ होना, बच्चे को कुछ गलत करने से रोकने पर पैरेंट्स उन पर हाथ उठा देते हैं।

अगर आप बच्चों पर हाथ उठाकर उन्हें अनुशासन सिखाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें ऐसा लगने लगता है कि मारपीट करना सही है और वो भी अपने आसपास के लोगों के साथ ऐसा ही करते हैं।

बच्चे अपने आसपास के लोगों और पैरेंट्स से ही सीखते हैं। छोटी-छोटी बातों पर बच्चे को डांटने से उसके मन में डर बैठ सकता है और बड़ा होकर वो भी दूसरों के साथ ऐसा ही व्यवहार कर सकता है।

बच्चे पर हाथ उठाने से न केवल उसे शारीरिक पीड़ा होती है बल्कि वह भावनात्मक रूप से भी आहत महसूस करता है। पैरेंट्स की पिटाई बच्चों को भावनात्मक रूप से झकझोर देती है।

अगर पैरेंट्स बार-बार बच्चे को उनकी गलती ही बताते रहें तो इससे बच्चे को लगने लगता है कि वो एक अच्छा इंसान नहीं है। वो खुद को बुरा मानने लगता है और बड़ा होकर अपनी ही इज्जत नहीं कर पाता है।

यदि आपको लगता है कि पिटाई करने से आपके बच्चे के व्यवहार में कोई सुधार आएगा तो आप गलत हैं। पिटाई के निशान शरीर से तो चले जाते हैं लेकिन मन पर गहरी छाप छोड़ जाते हैं।

अपने साथ हुए बुरे व्यवहार के कारण बच्चे के आत्मविश्वास को चोट लग सकती है। आप उसे जितना मारेंगे, वो उतना ही ज्यादा गलतियां करेगा। इससे उसे अपने बारे में और ज्यादा बुरा महसूस होगा जो कि बच्चों के विकास के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है।

बच्चों पर हाथ उठाने वाले पैरेंट्स अक्सर यह नहीं समझ पाते हैं कि ऐसा करके वो अपने बच्चों को ही अपने से दूर कर रहे हैं। अगर आपकी ये आदत बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो वो एक या दो बार तो डरेगा, लेकिन इसके बाद विद्रोही बन जाएगा। उसे पता होगा कि वो चाहे कुछ भी गलत कर ले, आप बस उसकी पिटाई करके उसे छोड़ देंगे।

जिन बच्चों के साथ मारपीट होती है, उनमें अक्सर गुस्सा अधिक देखा जाता है। अगर छोटी-छोटी बातों पर बच्चे की पिटाई करते हैं तो इससे बच्चे के मन में गुस्सा पैदा होने लगता है। ये गुस्सा किसी भी नकारात्मक तरीके से बाहर आ सकता है।

बच्चे को समझाने की कोशिश करें

ऐसा न सोचें कि बच्चा अपने आप इस आदत को छोड़ देगा और आपको इस मामले में कुछ करने की जरूरत नहीं है। उसे सही और गलत के बीच फर्क समझाना आपका काम है। उसे बताएं कि क्यों उसे अपनी बुरी आदत को छोड़ देना चाहिए। उसे समझाएं कि ऐसा करने से उसे क्या नुकसान हो सकता है। अगर आपके समझाने का कोई असर नहीं होता है तो आप किसी प्रोफेशनल की मदद भी ले सकते हैं।

प्रोत्साहित करें

अगर आप अपने बच्चे को किसी बुरी आदत से दूर करना चाहते हैं तो उसे छोड़ने के लिए उसे प्रोत्साहित करना बंद न करें। जब वो इसे कंट्रोल करने की कोशिश करे तो उसकी तारीफ करें और उसे शाबाशी दें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है। छोटे बच्चों को कुछ भी अच्छा करने पर स्टार या टॉय दे सकते हैं। इससे बच्चों में कुछ अच्छा करने की लालसा आती है।

सजा न दें

किसी भी आदत को छुड़वाने के लिए सजा देना या बच्चे को शर्मिंदा महसूस करवाना सही नहीं है। इसका उल्टा असर पड सकता है और बच्चा डर और तनाव के कारण और ज्यादा उस आदत में उलझ सकता है। बच्चों को कोई भी बात समझाने के लिए डांट डपट से ज्यादा प्यार का तरीका अपनाना चाहिए।

जल्दबाजी न करेंये सोचने की जरूरत नहीं है कि कोई आदत एक दिन में ही चली जाएगी। इसमें समय लगता है और बच्चे से रातों रात सुधरने की उम्मीद न करें। अगर आप शांति और धैर्य से काम लेंगी तो बच्चे पर कम दबाव और तनाव पड़ेगा। एक बार में एक ही आदत सुधारने की कोशिश करें।

- पॉजिटिव उदाहरण पेश करें

बच्चे हमेशा अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य से ही सीखते हैं, यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अच्छी आदतें अपनाए, तो सबसे पहले खुद को सही आदतों में ढालें, जैसे, समय पर खाना खाना, नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करना, या फिर सही तरीके से बातचीत करना, बच्चे आपके व्यवहार को देखकर ही वही आदतें सीखते हैं, इसलिए अपने आचरण पर ध्यान दें.

- गुस्से से न कहें, प्यार से समझाएं

कभी-कभी बच्चे अपनी बुरी आदतों पर ध्यान नहीं देते, और आपको उन आदतों पर कड़ी नजर रखने की आवश्यकता होती है, फिर भी, जब आप उन्हें कोई बुरी आदत सुधारने के लिए कहते हैं, तो यह सुनिश्चित करें कि आप न तो गुस्से में हैं और न ही उन्हें डांट रहे हैं, प्यार से और दृढ़ता के साथ समझाने का तरीका अपनाएं, यह तरीका बच्चों में सकारात्मक बदलाव लाता है.

- प्रेरणा और पुरस्कार का उपयोग करें

बच्चों के लिए छोटे-छोटे पुरस्कारों का उपयोग करना एक प्रभावी तरीका हो सकता है, जब बच्चा कोई अच्छी आदत अपनाता है, तो उसे सराहें और उसे कुछ खास उपहार दें या उसकी पसंदीदा गतिविधि करने का मौका दें, इससे बच्चा प्रेरित होगा और वह बुरी आदतों को छोड़ने में तत्पर रहेगा.

- पॉजिटिव माहौल बनाएं

घर का वातावरण भी बच्चों की आदतों पर बड़ा असर डालता है, घर में शांति और समझदारी का माहौल रखें, यदि बच्चे को अपने आसपास अच्छे रोल मॉडल और पॉजिटिव वातावरण मिलते हैं, तो वह स्वाभाविक रूप से अच्छी आदतें अपनाएंगे, बच्चों को मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने का अवसर दें, ताकि वे अपनी आदतों में सुधार कर सकें.

- टाइम दें

बच्चों की आदतें एक दिन में नहीं बदल सकतीं, सुधार के लिए धैर्य रखना बेहद जरूरी है, बच्चों को समय-समय पर उनकी गलत आदतों के बारे में बताएं, लेकिन यह तय करें कि आप उनकी तरक्की को भी नोटिस करें, कभी-कभी सुधार धीमा होता है, लेकिन लगातार समर्थन और सकारात्मक दिशा देने से परिणाम जरूर आते हैं.

बच्चों के सिर में जुओं से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

बालों में डिस्टिल्ड विनेगर लगाएं और कुछ देर के लिए इसे छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से बालों को धोएं। आप चाहें तो बालों में एप्पल साइडर विनेगर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस उपाय से जुएं खत्म हो जाएंगे।

ऑलिव ऑयल यानी जैतून के तेल से जुओं का दम घुट जाता है और वो मर जाते हैं। इस उपाय से जुएं दोबारा नहीं आते हैं। आप सौंफ (एनीज) के तेल और जैतून के तेल को मिलाकर भी लगा सकते हैं। ये जुओं को खत्म करने का असरदार तरीका है। जैतून के तेल से बालों और स्कैल्प को भी फायदा होगा।

टी ट्री ऑयल में एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जिस कारण यह जुओं को खत्म करने का कारगर उपाय माना जाता है। साल 2010 की स्टडी में शोधकर्ताओं ने 42 लोगों पर टी ट्री ऑयल और लैवेंडर ऑयल को मिलाकर इसके प्रभाव की जांच की थी। सप्ताह में तीन बार इसके इस्तेमाल से 41 प्रतिभागियों को जुओं से छुटकारा मिल गया।

लहसुन की 8 से 10 कलियां लेकर पीस लें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बच्चे के बालों में लगाकर लगभग 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से बालों को धोएं। सिर की त्वचा पर पैट्रोलियम जैली लगाएं और फिर सिर को तौलिए से ढक दें। पैट्रोलियम जैली को रातभर के लिए बालों पर लगा रहने दें।

कोई भी अपने मूल स्वभाव को नहीं बदल सकता

गंगा नदी के किनारे एक साधु रहते थे। वे न केवल विद्वान थे बल्कि उनके पास जादुई शक्तियाँ भी थीं।

एक दिन वे ध्यान में मग्न थे, तभी बाज की चोंच से एक चुहिया छूट कर उनके हाथों में आ गिरी। उसकी छोटी-सी पूँछ व काली चमकीली आँखें थीं। उन्हें वह बहुत अच्छी लगी पर घर ले जाने से पहले उन्होंने जादुई मंत्रों के प्रयोग से उसे एक लड़की में बदल दिया।

वे उस लड़की को घर ले जाकर पत्नी से बोले- तुम हमेशा से संतान चाहती थीं न, तो लो आज से यही हमारी पुत्री है, इसे पूरी देखभाल व स्नेह से पालो।

साधु की पत्नी भी अपनी पुत्री को देख प्रसन्न हो उठी। वह उसे राजकुमारी की तरह पालने लगी। साल बीतते गए, नन्ही लड़की एक सुंदर युवती बन गई। जब वह अठारह वर्ष की हुई, तो साधु व उसकी पत्नी उसके लिए वर तलाशने लगे।

साधु ने कहा- मेरी बिटिया का विवाह ऐसे व्यक्ति से होना चाहिए, जो सबसे बड़ा हो। मेरे हिसाब से सूर्य ठीक रहेगा। पत्नी ने भी हामी भरी। उन्होंने जादुई मंत्रों के प्रयोग से सूर्य को नीचे बुला लिया। उन्होंने उसे अपनी पुत्री से विवाह करने को कहा।

पर पुत्री ने पहले ही न कर दी। वह बोली- पिताजी! यह तो बहुत गरम है। मैं उससे विवाह करूँगी, जो इससे भी बेहतर हो।

साधु निराश हो गए। उन्होंने सूर्य से कहा कि वे ही कोई वर सुझाएँ। सूर्य ने कहा- बादलों के देवता से बड़ा कौन होगा, उनमें तो मेरी किरणों को भी रोकने की शक्ति है।

साधु ने बादलों को नीचे बुलाया व अपनी पुत्री से विवाह करने को कहा, पर इस बार फिर पुत्री ने मना कर दिया व बोली- ये तो कितना बदसूरत है, मैं इससे विवाह नहीं कर सकती। साधु ने बादल देवता से कहा कि वही कोई अच्छा वर सुझा दें। वे बोले- पवन देवता ठीक रहेंगे, वे तो मुझे भी अपने फूंक से उड़ा देते हैं।

साधु ने पवन देवता को बुला कर अपनी पुत्री से विवाह करने को कहा। पुत्री ने फिर इंकार कर दिया व बोली- मैं इससे शादी नहीं करूँगी। ये तो कहीं टिकते नहीं, हमेशा यहाँ-वहाँ भागते रहते हैं। साधु ने पवन देव से पूछा- क्या मेरी पुत्री के लिए ऐसा वर हो सकता है, जो आपसे भी बेहतर हो

पवन देव ने कहा कि पर्वत देव मजबूत व ऊँचे हैं, वे मेरा भी रास्ता रोक देते हैं।

साधु ने पर्वत देवता से कहा कि वह उसकी पुत्री से विवाह कर लें। पुत्री ने फिर से मना कर दिया व बोली- ये तो बहुत लंबे, सख्त व कठोर हैं, मैं इनसे विवाह नहीं कर सकती, इनसे भी कोई बेहतर चाहिए।

पर्वत देवता ने चूहे का नाम सुझाया। वे बोले-माना मैं काफी सख्त, मजबूत व ऊँचा हूँ, पर चूहे मुझमें भी आसानी से बिल बना सकते हैं।

साधु ने चूहे को बुलाया, उसे देखते ही उसकी पुत्री खुशी से उछल पड़ी- हाँ पिताजी! यही तो है वह, मैं जिससे शादी करना चाहती थी!

साधु ने सोचा- इसे ही किस्मत कहते हैं। यह एक चुहिया थी और एक चूहे से विवाह करना ही इसके भाग्य में लिखा है। उन्होंने जादुई मंत्रों के प्रभाव से पुत्री को फिर से चुहिया बना दिया। चूहा व चुहिया विवाह करके खुशी-खुशी रहने लगे। शिक्षा :- कोई भी अपने मूल स्वभाव को नहीं बदल सकता।

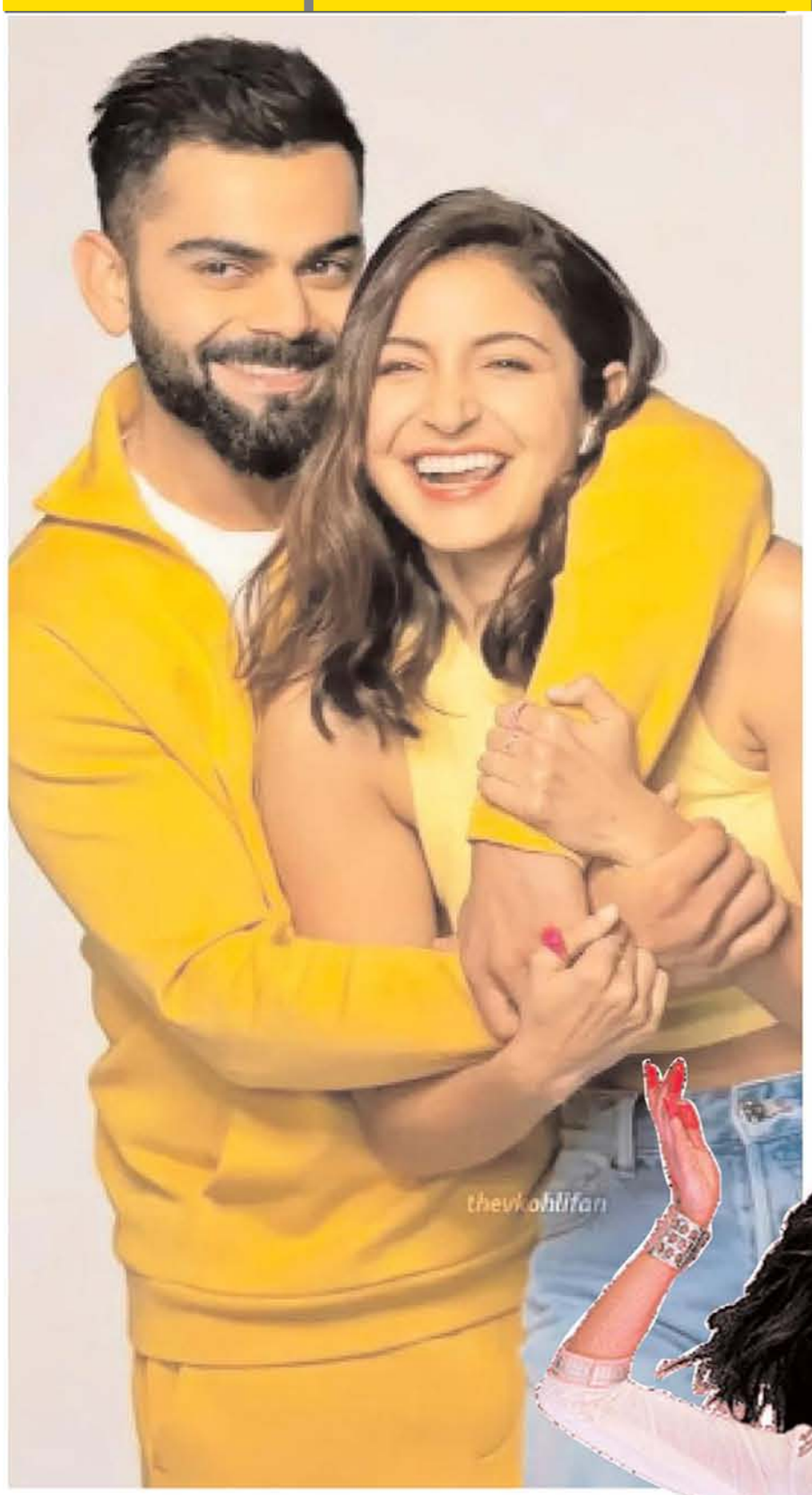

Allu Arjun की फिल्म पर आया सबसे बड़ा अपडेट

Pushpa 3 में किन चीजों को खास बनएंगे डायरेक्टर सुकुमार?

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. फिल्म आज भी लगातार कमाई कर रही है, जिस वजह से कास्ट से लेकर मेकर्स तक खुश है. कुछ समय पहले ही अपडेट आया था कि मेकर्स फिल्म का तीसरा पार्ट भी बनाने वाले हैं. पुष्पा 2 की एंडिंग में फिल्म के तीसरे पार्ट का हिंट दिया गया है और अब इस फिल्म पर बड़ा अपडेट आ गया है

. फिल्म पुष्पा के दोनों पार्ट का हिस्सा कंपोजर देवी प्री प्रसाद भी रहे हैं और अब वह फिल्म के तीसरे पार्ट का हिस्सा भी रहने वाले हैं. उन्होंने पुष्पा 3 पर बड़ा अपडेट दिया है.

देवी श्री प्रसाद ने पुष्पा 3 को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने बताया है कि फिल्म पुष्पा 2 के जबरदस्त क्रेज को देखते हुए सुकुमार इस फिल्म पर बिना वक्त गवाए अब काम कर रहे हैं. उनका पूरा फोकस फिल्म के एक-एक सीन और कहानी पर है. इस बार पुष्पा 3 में कई चीजें सेट की जाएंगी. तीसरे पार्ट के लिए हम लोगों के पास बहुत सारे आइडियाज हैं और जिन्हें पूरा करने पर एक शेप मिलेगा. फिल्म पुष्पा 2 के सक्सेस पर देवी श्री प्रसाद ने कहा कि मैं फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार का, अल्लू अर्जुन , प्रोड्यूसर्स और जो भी लोग इस फिल्म के दोनों पार्ट का हिस्सा थे. मैं भाषा और लिरिस्ट में कॉन्ट्रिब्यूशन देने वाले लोगों का भी शुक्रगुजार हूं. इसके आगे पुष्पा 2 के ग्रैंड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर देवी श्री प्रसाद ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो हम लोगों को पता था कि पुष्पा के पाद पुष्पा 2 जरूर हिट होगी. इस फिल्म से लोगों को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं और इसी वजह से हमारे सामने कई सारे चैलेंजेस भी थे, लेकिन हमें इस फिल्म के लिए दुनिया भर से लोगों का प्यार मिला. फिल्म ने तुलुगू, हिंदी, कन्नड़ और बाकी भाषाओं में तो कमाल ही कर दिया. यहां तक कि महाराष्ट्र, कश्मीर, नेपाल और कई देशों से भी अपार प्यार मिला. जिसके लिए शुक्रगुजार हूं.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रूपाली गांगुली मामले पर सुनाया फैसला

ईशा वर्मा और रूपाली गांगुली के बीच चल रहे विवाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। इस मानहानि मामले पर रुपाली को राहत मिली है। बॉम्बे हाइकोर्ट ने अभिनेत्री रूपाली गांगुली को उनकी सौतली बेटी ईशा वर्मा के मानहानि मामले में राहत दे दी है। अदालत ने प्रतिवादियों और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को रूपाली के बारे में अपमानजनक सामग्री प्रकाशित होस्ट और साझा करने से रोक दिया। आरोप लगे कि रूपाली गांगुली के पति की पहली शादी से बेटी ईशा वर्मा हैं। उन्होंने अभिनेत्री की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए लगातार पोस्ट किए।

पीठ ने सुनाया ये फैसला

बॉम्बे हाई कोर्ट की एकलपीठ ने रूपाली की याचिका में पेश किए गए साक्ष्यों की समीक्षा की। सोशल मीडिया पोस्ट साक्षात्कार और लेखों का संकलन शामिल था। इसमें मानहानि करने वाले बयान शामिल थे। इसमें सोशल मीडिया पोस्ट साक्षात्कार और कई लेख भी शामिल थे। पीठ ने पाया कि यह सामग्री पहली नजर में ही अपमानजनक हैं। नोटिस दिए जाने के बाद भी ईशा वर्मा अदालत में पेश नहीं हुईं। पीठ ने रूपाली गांगुली के खिलाफ कोई भी अपमानजनक पोस्ट, वीडियो या सामग्री प्रकाशित करने पर रोक लगाई।

Baahubali के डायरेक्टर संग काम करने हैदराबाद पहुंचीं Priyanka

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में काम कर रही हैं, लेकिन अब वह भारतीय फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं. प्रियंका काफी सालों से किसी भी बॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं, लेकिन बीते दिनों ही खबर आई थी कि प्रियंका चोपड़ा ने बाहुबली के डायरेक्टर एसएस राजामौली से हाथ मिलाया है. वह राजामौली की एक फिल्म में नजर आने वाले हैं. इन सब खबरों के बीच प्रियंका चोपड़ा इंडिया लौट आई हैं. उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देख फैंस भी खुश हो गए हैं. दरअसल, प्रियंका चोपड़ा को हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है. एक्ट्रेस के इस मौके से एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में प्रियंका कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने ब्राउन कलर की हुडी और लॉअर पहना है. साथ में उन्होंने अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए एक टॉपी भी पहनी है. प्रियंका एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए नीचे देखकर चल रही हैं. प्रियंका वीडियो में पैपराजी को देखकर स्माइल को करती दिख रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस ने एयरपोर्ट पर रुककर एक भी पोज नहीं दिया. सोशल मीडिया पर उनका वीडियो वायरल हो रहा है. फैंस अब प्रियंका के हैदराबाद आने की वजह पूछ रहे हैं. कई लोगों का मानना है कि वह राजामौली की फिल्म में काम करने ही यहां पर आई हैं.

नए बंगले में जल्द गृह प्रवेश करेंगे विराट-अनुष्का

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली इन दिनों भारत में हैं और लगातार किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं. इसी बीच स्टार कपल को हाल ही में अलीबाग स्थित अपने नए घर की तरफ जाते हुए देखा गया. इसी बीच विराट-अनुष्का का नया वीडियो सामने आया है, जिसने उनके फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है. इस नए वायरल वीडियो में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के अलीबाग वाले नए बंगले को दिखाया गया है, जिसे गृह प्रवेश पार्टी से पहले फूलों से सजाया जा रहा है. यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. अलीबाग बंगले में गृह प्रवेश की तैयारियों में जुटा स्टार कपल

इंटरनेट पर वायरल हो रहा विराट-अनुष्का के नए घर का नया वीडियो पैपराजी वरिंदर चावला के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है. इस वीडियो में स्टार कपल के अलीबाग स्थित नए बंगले का सामने का दरवाज़ा दिखाई दे रहा है, जो फूलों से सजा हुआ है. ऐसे में इस वीडियो के सामने आने के बाद अंदाजा लाया जा रहा है, कि यह गृहप्रवेश पार्टी की तैयारी का संकेत है.

गेटवे ऑफ इंडिया पर स्पॉट हुए पूजा सामग्री के साथ पुजारी

आपको बता दें कि इसके पहले गेटवे ऑफ इंडिया स्थित फेरी टर्मिनल का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कई लोग एक पुजारी के साथ पूजा सामग्री को स्पीडबोट पर लादते हुए दिखाई दे रहे थे. जिसके बाद से ही विराट और अनुष्का के फैंस यह कयास लगा रहे हैं, कि कपल अलीबाग में अपने नए घर में गृह प्रवेश की तैयारियों में जुटा हुआ है.

आलीशान बंगले में स्विमिंग पूल का भी लुत्फ उठाएंगी अनुष्का

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली ने साल 2023 में अलीबाग में एक आलीशान विला खरीदा था, जो 2000 वर्ग फीट में बना हुआ है और इसकी कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए है. इस विला में 400 वर्ग फुट का स्विमिंग पूल है. इसके अलावा उन्होंने कपल ने अलीबाग में 19.24 करोड़ रुपए में एक फार्महाउस भी खरीदा है.

अभिनेत्री के साथ पटकथा लेखिका भी हैं हनी ईरानी

हनी ईरानी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का एक महत्वपूर्ण नाम है। अभिनेत्री के साथ वह पटकथा लेखिका और फिल्म निर्देशक भी हैं। हनी ईरानी ने अपनी फिल्मी यात्रा की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने कई फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाईं, जिनमें यार की प्यास (1961), चिराग कहां रोशनी कहां और बॉम्बे का चोर जैसी फिल्में शामिल हैं। हनी ईरानी का परिवार का भारतीय सिनेमा में बड़ा योगदान है। वह एक ऐसे फिल्मी परिवार से आती हैं, जहां सिनेमा के हर पहलू में उनके परिवार के लोगों की भूमिका रही है। उनकी संतानें भी बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुकी हैं। हनी ईरानी का जन्म एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था, जिसमें उनके पांच भाई-बहन मेनका ईरानी, बनी ईरानी, सरोश ईरानी, और डेजी ईरानी थे।

वरुण धवन ने शुरू की बॉर्डर 2 की शूटिंग

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 की शूटिंग बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने शुरू कर दी है। फिल्म के निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए इसकी जानकारी दी है। वरुण धवन ने आखिरकार अपनी आगामी देशभक्ति एक्शन फिल्म बॉर्डर 2 के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग का पहला चरण उत्तर प्रदेश के झांसी में हो रहा है। फिल्म में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिलहाल वे लोग शूटिंग में शामिल नहीं हुए हैं।

झांसी के सैन्य छावनी क्षेत्र में स्थापित बॉर्डर 2 का उद्देश्य अपनी मनोरंजक कहानी, एक्शन सीन्स के साथ सच्ची घटनाओं को पर्दे पर दिखाना है। इंस्टाग्राम पर निर्माताओं ने बॉर्डर 2 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वरुण निर्माता भूषण कुमार और निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता को ग्रे टी-शर्ट और नीली जींस पहने देखा जा सकता है।

अजय देवगन की सन ऑफ सरदार-2 की रिलीज डेट से उठा पर्दा

अजय देवगन स्टारर साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म सन ऑफ सरदार ने लोगों को एंटरटेन करने के साथ ही खूब हंसाया भी था. इस फिल्म में अजय के साथ सोनाक्षी सिन्हा नजर आई थीं. ऐसे में फैंस इस फिल्म के सीक्वल का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. हालांकि दर्शकों का ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है. अजय देवगन इस सन ऑफ सरदार 2 के साथ एक बार फिर से सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. जल्द ही यह मूवी थिएटर्स में दस्तक देने वाली है, क्योंकि इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठ चुका है.

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज से डेट से पर्दा उठाते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है. तरण ने अपनी पोस्ट में लिखा, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट लॉक हो गई है... 25 जुलाई 2025 को यह फिल्म रिलीज होगी, जो साल 2012 में आई सन ऑफ सरदार की सीक्वल है. अजय देवगन और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है.

Saif Ali Khan पर हुए हमले पर फूटा Raveena Tandon का गुस्सा

सेफ्टी पर उठा दिए सवाल

गुरुवार सुबह तड़के पटौदी खानदान के इकलौते वारिस और एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले ने हर किसी को हैरान कर दिया है. सैफ पर चाकू से हमले की खबर ने जहां हर किसी को हिलाकर रख दिया, वहीं अब बड़ी ही तेजी से इस पर सेलेब्स के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं. इसी बीच सैफ पर हुए हमले को लेकर एक्ट्रेस रवीना टंडन का गुस्सा भी फूटा है. उन्होंने सेलेब्स को टारगेट करने और बांद्रा की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं. सैफ पर हुए हमले को गंभीरता से लेते हुए रवीना टंडन ने इस पर रिएक्ट किया है. एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, बांद्रा एक सेफ रिसेडेंशियल एरिया था, लेकिन अब यहां फेमस सेलेब्स और सॉफ्ट टारगेट को अपना निशाना बनाया जा रहा है. ये घटना बड़े पैमाने पर हो रही है. उन्होंने आगे लिखा, यहां क्रिमिनल बढ़ रहे हैं, बाइक्स पर तेजी से आने वाले फोन और चेन छीनकर भाग रहे हैं. यहां सख्त कदम उठाने की जरूरत है. वहीं एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में सैफ अली खान के जल्दी रिकवर होने की भी कामना की है.

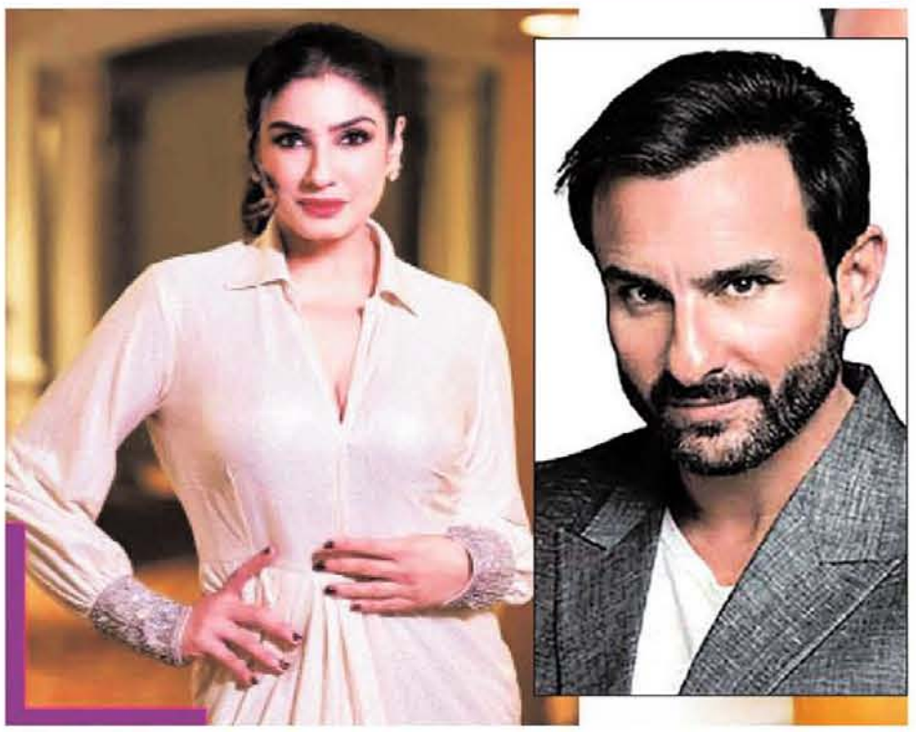

देश की लाड़ली बेटी बन गई है वंतिका अग्रवाल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा रही वंतिका अग्रवाल पूरे देश की लाडली बेटी बन गई हैं। नोएडा की रहने वाली वंतिका अग्रवाल को खेलों का प्रसिद्ध सम्मान अर्जुन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। वंतिका अग्रवाल को अर्जुन पुरस्कार मिलते ही पूरे नोएडा शहर तथा एमिटी शिक्षण समूह के सभी स्कूल तथा कॉलेजों में हर्ष की लहर फैल गई है। नोएडा के नागरिक अपने शहर की होनहार बेटी वंतिका अग्रवाल की उपलब्धि पर गर्व कर रहे हैं।

नोएडा के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में वर्ष-2020 की छात्रा रही वंतिका अग्रवाल को अुर्जन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने वंतिका अग्रवाल को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया है। वंतिका अग्रवाल की उपलब्धि पर उनके परिवार, समाज तथा पूरे नोएडा शहर के नागरिक बहुत ही खुश हैं। नोएडा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की प्रवक्ता सविता मेहता ने बताया कि आज का दिन हम सभी एमिटी वालों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। जब एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा की (कक्षा 2020) की पूर्व छात्रा वंतिका अग्रवाल को शतरंज की दुनिया में उनके असाधारण योगदान के लिए भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।

आपको बता दें कि नोएडा की रहने वाली सुश्री वंतिका अग्रवाल के पास महिला ग्रैंडमास्टर और इंटरनेशनल मास्टर के एमआईडीई खिताब हैं। वह शतरंज ओलंपियाड में तीन बार स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिसमें 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड में दो स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने हांग्जो 2022 एशियाई खेलों में भारतीय टीम के साथ रजत पदक जीता। अग्रवाल की उपलब्धियों में राष्ट्रमंडल, विश्व युवा, एशियाई युवा और राष्ट्रीय चौंपियनशिप में पदक भी शामिल हैं। 2016 में, अग्रवाल ने विश्व युवा शतरंज चौंपियनशिप अंडर 14 बालिका आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता। 2020 में उन्होंने ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड 2020 जीता। 2021 में, वंतिका अग्रवाल ने भारतीय जूनियर गर्ल्स ऑनलाइन शतरंज चौंपियनशिप में रजत पदक जीता और भारतीय जूनियर सीनियर महिला शतरंज चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। नवंबर 2021 में रीगा में, वंतिका अग्रवाल एफआईडीई महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में 14वें स्थान पर रहीं। उन्हें 2021 में महिला ग्रैंडमास्टर (डब्लूजीएम) का खिताब मिला।

नोएडा के एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डॉ. अमिता चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि हमारी छात्रा वंतिका अग्रवाल ने माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया है एमिटी अपने छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हर क्षेत्र में हमारे छात्रों की सफलता में स्पष्ट है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए वंतिका और उनके माता-पिता को हमारी हार्दिक बधाई और हम उनके भविष्य के सभी प्रयासों में उनकी अपार सफलता की कामना करते हैं।

विदित हो कि शतरंज ओलंपियाड 2024 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सुश्री वंतिका की बहुत प्रशंसा की गई है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया है। आठ साल की उम्र में अपनी शतरंज की यात्रा शुरू करने वाली वंतिका अपनी सफलता का श्रेय स्कूल को देती हैं, जो उनके लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत रहा है। वह ग्रैंडमास्टर बनने और दुनिया की शीर्ष दस रैंकिंग में जगह बनाने की ख्वाहिश रखती है।

राष्ट्रपति ने ग्रेटर नोएडा के प्रवीण कुमार को खेल रत्न से किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर भारत और गौतमबुद्धनगर का नाम दुनिया में रोशन करने वाले पैरालंपिक खिलाड़ी प्रवीण कुमार को देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का भव्य आयोजन राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को किया गया जहां देश की उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। वर्ष-2024 के लिए चार खिलाड़ियों को खेल रत्न, 23 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, 2 खिलाड़ियों को अुर्जन पुरस्कार (लाइफस्टाइल श्रेणी), 3 कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी) तथा 2 कोच को लाइफटाइम श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। उत्तर प्रदेश के 6 खिलाड़ियों को विशेष रूप् से पुरस्कृत किया गया है।

पैरालंपियन प्रवीण कुमार को खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

वर्ष-2024 में पेरिस पैरालंपिक में भारत ने छठा गोल्ड मेडल हाई जंप एथलीट प्रवीण कुमार ने दिलाया था। प्रवीण कुमार ने मेंस हाई जंप टी 64 इवेंट में 2.08 मीटर ऊंची जंप के साथ गोल्ड हासिल किया था। प्रवीण कुमार का ये प्रदर्शन एशियन रिकॉर्ड भी है। वो पहले एशियाई एथलीट हैं जिसने पैरालंपिक में इतना शानदार प्रदर्शन किया है।

पैरालंपिक में कामयाबी के लिए प्रवीण कुमार ने काफी मेहनत की है। उन्होंने अपनी कमजोरी को ताकत में बदला और तभी जाकर वो इतिहास रचने में कामयाब रहे। प्रवीण पैरालंपिक में 2 मेडल जीत चुके हैं। 2021 टोक्यो पैरालंपिक में वो सिल्वर जीते थे।

प्रवीण कुमार ग्रेटर नोएडा के रहने वाले हैं और जब वो पैदा हुए थे तो उनका एक पांव छोटा था। हालांकि इसके बावजूद उन्होंने कभी अपने हौंसले को पस्त नहीं होने दिया। प्रवीण कुमार के एक पांव में परेशानी जरूर थी लेकिन खेल को लेकर उनका जुनून कमाल ही था। दिलचस्प बात ये है कि प्रवीण को वॉलीबॉल में काफी ज्यादा दिलचस्पी थी लेकिन उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव तब हुआ जब इस खिलाड़ी ने पहली बार एक हाई जंप प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रवीण कुमार ने एक सामान्य श्रेणी के हाई जंप प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और वहां से लोगों को उनके टैलेंट के बारे में पता चला। इसके बाद पैरा एथलेटिक्स कोच डॉक्टर सत्यपाल सिंह ने प्रवीण को निखारा। प्रवीण कुमार ने कड़ी मेहनत के दम पर 2019 में स्विट्जरलैंड में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स जूनियर चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता। 2021 में ये खिलाड़ी दुबई में हुई वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स फाजा ग्रां प्री में गोल्ड जीतने में कामयाब हुआ।

5 फरवरी तक छूट का लाभ उठा लें व्यवसायिक वाहनों के सभी बकायेदार : डॉ. उदित नारायण

अब तक 914 वाहन मालिकों ने जमा कराये 3.20 करोड़ की धनराशि

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, (प्रशासन) गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के व्यवसायिक वाहनों के बकाया कर में देय शास्ति में शत-प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। एक मुश्त शास्ति समाधान योजना 5 फरवरी तक लागू है। इस योजना के अंतर्गत 06 नवंबर 2024 से पूर्व पंजीकृत समस्त प्रकार के व्यवसायिक वाहनों पर देय बकाया कर के शास्ति में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की गयी है।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत वाहन स्वामी अथवा उनके विधिक वारिस 3 पहियां एवं हल्के मोटर यान (7500 कि0ग्रा0 तक) के लिए आवेदन शुल्क रू0 200/- एवं अवशेष यानों हेतु आवेदन शुल्क रु0 500/- जमा कराकर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन गौतमबुद्धनगर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसके उपरान्त देय बकाया कर शास्ति में शत-प्रतिशत छूट के साथ एकमुश्त कर जमा कराया जा सकेगा। अत: उक्त योजना का लाभ उठाकर देय कर शास्ति में शत-प्रतिशत छूट के साथ जमा करें।

उन्होंने बताया कि अभी तक कुल 914 वाहन स्वामियों ने रु तीन करोड़ बीस लाख की धनराशि जमा की है। अत: सभी वाहन स्वामियों से अपील है कि निर्धारित समयावधि के अंतर्गत योजना का लाभ उठाकर देय कर शास्ति में शत-प्रतिशत छूट के साथ जमा कर इस अवसर का लाभ अवश्य उठायें।

वेदवन पार्क का लेजर शो बंद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-79 में वेद वन पार्क में स्थित फाउंटेन में लगा सामान चोरी हो गया। इसकी वजह से शाम के समय पार्क में रौनक खत्म हो गई है।

यह पूरा मामला कोतवाली सेक्टर-113 का है। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुलिस से शिकायत की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 तारीख की रात को वेद वन पार्क में अज्ञात चोर घुस गए। चोरों ने पार्क में लगे फाउंटेन का करीब 110 नेजल चोरी कर लिया। इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है। वहीं, पार्क में बाउंड्री वॉल भी छोटी है। पार्क में करीब 5 गार्ड तैनात हैं। यहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी खराब पड़े हुए हैं। पार्क में देखरेख की जिम्मेदारी हॉर्टिकल्चर, इलेक्ट्रिक और ग्रीन डेकोर ठेकेदार की है। नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर जांच की जा रही है। पार्क में तैनात पांच गार्ड को बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

बार एसोसिएशन ऑफ एडवोकेट्स एंड डीड राइटर्स ने-

दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। बार एसोसिएशन ऑफ एडवोकेट्स एंड डीड राइटर्स ने सेक्टर-33 में जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य स्वागत किया। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष परविंदर भाटी समेत सभी पदाधिकारियों को बुके देकर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर दोनों ही बार एसोसिएशंस के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने तथा समन्वय स्थापित कर कंधा से कंधा मिलाकर चलने पर सहमति तय हुई।

स्वागत करने वालों में बार एसोसिएशन ऑफ एडवोकेट्स एंड डीड राइटर्स के अध्यक्ष पी.पी.एस. नागर, पूर्व अध्यक्ष एन.के. शर्मा, सी.एस.नागर, एस.पी.एस. बैसोया, चौ. सचिन कुमार के अलावा वर्तमान महासचिव एल.सी. शर्मा, प्रवीण डेढ़ा, प्रमोद गोयल, महेन्द्र यादव, नरेन्द्र शर्मा, ओंकार सिंह नागर, एस.डी. सिंह, एस.के.सिंह, नवीन वर्मा, संजीव कुमार, सुभाष शर्मा तथा एआईजी प्रथम, सब रजिस्टार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय समेत काफी संख्या में बार के सदस्यगण लोग मौजूद थे।

ग्रेनो का इंफ्रा विश्वस्तरीय, निवेश की असीम संभावनाएं : आलोक कुमार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सभागार में नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना विकास प्राधिकरण की क्रमवार समीक्षा बैठक की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा शहर जैसी बसावट और इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे उत्तर भारत में नहीं है। यहां निवेश की असीम संभावनाएं हैं। निवेशकों को हर संभव सहयोग देकर निवेश के लिए आमंत्रित करें, ताकि रोजगार के अवसर खुलें। बड़ी कंपनियों के आने से यहां के युवाओं को हाई पैकेज सैलरी प्राप्त होगी। युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और ग्रेटर नोएडा तरक्की करेगा।

औद्योगिक विकास विभाग का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार ग्रेटर नोएडा आए प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि आबादी, लीजबैक व किसानों से जुड़े अन्य मसलों को प्राथमिकता पर हल करके आगे बढ़ें। उनसे जमीन लेकर ग्रेटर नोएडा का विस्तार करें। ग्रेट नोएडा फेस टू के लिए जमीन अधिग्रहित कर विकसित करें और बड़े निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित करें। प्रमुख सचिव ने कहा कि बड़ी कंपनियों के आने से तमाम छोटी कंपनियां खुद ही आने लगेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली, नोएडा, यीडा सिटी के बीच में बसावट होने और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाते हुए ग्रेटर नोएडा को उत्तर भारत में आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश का प्रमुख केंद्र बनाया जा सकता है। बैठक के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने प्रमुख सचिव आलोक कुमार के समक्ष ग्रेटर नोएडा की वित्तीय स्थिति का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को कर्ज मुक्त बनाने के प्रयासों की उन्होंने सराहना भी की। प्रमुख सचिव ने कहा कि ग्रेटर नोएडा को आगे बढ़ाने और निवेश का केंद्र बनाने के लिए यही सही समय है। प्रमुख सचिव ने कहा कि फ्लैट खरीदारों को उनका आशियाना दिलाने के लिए प्राधिकरण के प्रयासों को भी सराहा। प्रमुख सचिव ने परी चौक समेत बड़े चौराहों पर ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए ठोस प्लान बनाने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने समीक्षा बैठक में सभी विभागों के कार्यों पर संतोष जाहिर किया।

बैठक में एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, ओएसडी अभिषेक पाठक, जीएम वित्त विनोद कुमार, जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह, ओएसडी एनके सिंह, डीजीएम वित्त अभिषेक जैन, ओएसडी गिरीश कुमार झा सहित ग्रेनो प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का शुभारंभ 24 जनवरी को

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को लेकर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें समाधान समिति के निदेशक कुमार मौसम द्वारा योजना के संबंध में पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से व्यापक प्रस्तुतिकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस योजना का तहत 21 से 40 वर्ष आयु तक के युवा जो न्यूनतम कक्षा 8 पास हो तथा किसी सरकारी संस्थान से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो, उन युवाओं को विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपए तक का लोन बिना किसी गारंटी तथा बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जाएगा।

समाधान समिति के निदेशक ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत लाभार्थी को 10 प्रतिशत सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी और प्रारंभ के 6 महीने तक लाभार्थी को

लोन की अदायगी नहीं करनी है। यदि किसी लाभार्थी ने प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है, तो वह भी इस योजना में लाभ प्राप्त कर सकते हैं, ऋण स्वीकृत होने के उपरांत जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा उनको प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल msme.up.gov.in पर स्वयं या जन सुविधा केंद्र या साइबर कैफे या जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का संचालन जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र से उपयुक्त उद्योग अनिल कुमार द्वारा किया गया। कार्यशाला में सहायक आयुक्त उद्योग कुमारी स्वीटी उपाध्याय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, आरसेटी, स्किल डेवलपमेंट मिशन तथा सीएससी प्रभारी अधिकारियों के साथ 100 से अधिक युवक/युवतियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

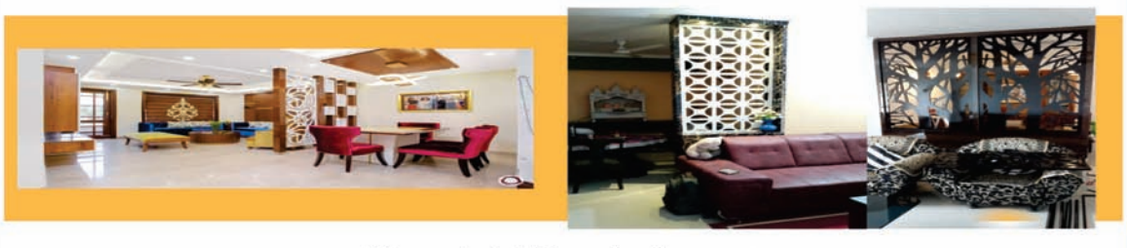

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED COMPANY
startupindia
msme
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com